दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

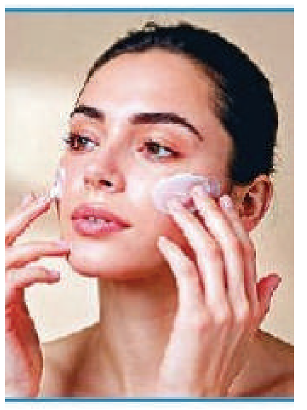
हर उम्र में संभव है....
नेचुरल कूलिंग क्रीम से पाएं ताजगी का एहसास

वर्ष : 12 | अंक : 187 | लखनऊ, 01 जुलाई, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

विकसित भारत की यात्रा में क्षेत्रीय उद्योग अहम

वडोदरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वडोदरा में कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में क्षेत्रीय उद्योगों की भागीदारी अहम है। 'विकसित भारत' केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है।

पेट्रोकेमिकल प्लांट में आग, 20 घायल

कोलकाता। पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल स्थित एक पेट्रोकेमिकल प्लांट में आग में 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में से 5 की हालत गंभीर है। आग हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स द्वारा संचालित प्लांट की नेफ्था पाइपलाइन में लगी थी। पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित उस क्षेत्र में आग तेजी से फैल गई थी।

बोरवेल में गिरे निर्भय की बचाने की कोशिशें जारी

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा में मंगलवार को 4 साल का एक लड़का 220 फुट गहरे बोरवेल में गिर गया जिसे निकालने की कोशिशें जारी हैं। इससे लगभग दो दशक पहले कुरुक्षेत्र के हल्दाहेरी गांव में चार साल का बच्चा प्रिंस भी खुले बोरवेल में गिर गया था जिसे 2दिन बाद बाहर निकाला जा सका था।

आसाराम को गंभीर बीमारी की हालात में ही जमानत देंगे

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जमानत देने से इनकार कर दिया। यदि स्थिति गंभीर होती है तभी जमानत पर विचार करेंगे।

यह नीति भारत की एनर्जी सिक्योरिटी, किसानों और पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगी

केंद्र सरकार ने चिंताओं को दूर करते हुए कहा

अभी तो चल रहा प्रयोग, अगले साल तक साफ हो जाएगी हमारी पॉलिसी

एथेनाल मिश्रण

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20फीसदी इथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक एक्सपेरिमेंट के तौर पर चल रहा है। इस पॉलिसी का असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा। कई लोगों को चिंता है कि इथेनॉल की ज्यादा मात्रा मिलाने से पुरानी गाड़ियों को नुकसान हो सकता है और फ्यूल की क्षमता यानी माइलेज भी कम हो सकती है।

- पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सरकार ने इन चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा है कि ई 20 पेट्रोल और गाड़ियों के मैकेनिकल नुकसान के बीच कोई ठोस सबूत नहीं है। यह पॉलिसी भारत की एनर्जी सिक्योरिटी, किसानों और पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगी। सुप्रीम कोर्ट, सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा थाष यह याचिका कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने के लिए दायर की गई थी।

सरकारी वकील ने क्या कहा ?

वेंकटरमणी ने तर्क दिया कि अगर एक सप्लायर के एलोकेशन में बदलाव की इजाजत दी जाती है, तो दूसरे सप्लायर भी ऐसी ही मांग कर सकते हैं, जिससे कई कानूनी मामले खड़े हो सकते हैं और सप्लाई चेन पर असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को कोऑर्डिनेट कर रहे बीसीसीएल को टेंडर प्रोसेस के बाद कुल मिलाकर करीब 1,759 करोड़ लीटर की सप्लाई के ऑफर मिले थे।वेंकटरमणी ने ट्रांसफर याचिका दायर करने की इजाजत मांगी। उन्होंने तर्क दिया कि इस मामले पर अक्टूबर से पहले फैसला होना जरूरी है, क्योंकि तब इथेनॉल सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स का नवीनीकरण यानी रिन्यूअल होना है। अगर मैं डिवीजन बेंच के पास जाता हूं और फिर दूसरे हाई कोर्ट्स में भी जाता हूं, तो इसमें देरी होगी। इसके बदलने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को कितना इथेनॉल उपलब्ध कराया जाएगा, यह मांग और अन्य कारकों के आधार पर कम या ज्यादा हो सकता है।

अक्टूबर 2025 में पूरे हो गए थे कॉन्ट्रैक्ट

केंद्र की ओर से पेश होते हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि इथेनॉल एलोकेशन की प्रक्रिया अक्टूबर 2025 में ही पूरी हो चुकी थी और सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट भी फाइनल हो गए थे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अलग-अलग आवंटनों को फिर से खोलने से पूरे देश में चल रहे इस प्रोग्राम में बाधा आ सकती है।

मंत्रालय ने लाभ बताया

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल से पूरे देश में इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की सप्लाई शुरू कर दी थी।सरकार ने अब 2030 तक पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की मात्रा को 30 फीसदी तक बढ़ाने का टारगेट रखा है। मंत्रालय ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को 'सुरक्षित, ग्राहकों के लिए फायदेमंद और आर्थिक रूप से फायदेमंद' बताया था। मंत्रालय ने उन चिंताओं को भी खारिज कर दिया कि व्हीकल के इंश्योरेंस कवरेज पर असर पड़ सकता है।मंत्रालय ने कहा कि इथेनॉल ब्लेंडिंग दुनिया भर में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया है और इसे अमेरिका, ब्राजील और जापान सहित कई देशों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसमें कहा गया है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम ने कच्चे तेल के आयात को कम करके भारत को विदेशी मुद्रा में 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बचाने में मदद की है।

बीपीसीएल ने कहा- असर पड़ेगा

हाई कोर्ट ने 23 जून के अपने आदेश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों बीपीसीएम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निर्देश दिया था कि वे टेंडर प्रोसेस पूरा होने से पहले एक डिस्टिलरी के उस अनुरोध पर विचार करें, जिसमें उसने अपना इथेनॉल एलोकेशन बढ़ाने की मांग की थी।

---

23 दलों ,1 निर्दलीय सांसद ने लिखा पत्र

सीजेआई ने कहा- एसआईआर वैध, आपत्तियों को किया खारिज

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को एक संयुक्त पत्र भेजा है। यह पत्र निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य मुद्दों पर है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी।

इस पत्र में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की मांग की है। विपक्षी गठबंधन ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि चुनाव नतीजों को प्रभावित किया जा रहा है। रमेश ने बताया कि 21 विपक्षी राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने 8 जून को हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में भाग लिया था।

एसआईआर प्रक्रिया और विवाद

आयोग ने लगभग एक साल पहले मतदाता सूचियों के सत्यापन के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना है। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को मजबूत करना भी इसका लक्ष्य है। बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले इसका एक पायलट चरण शुरू हुआ था। देश भर में मतदाता सूचियों से करीब छह करोड़ नाम हटाए गए हैं। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया अभी भी 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी है। बिहार में अकेले 65 लाख नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए थे। विपक्ष के नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध किया है।

कोई भी वास्तविक नागरिक बाहर नहीं होगा

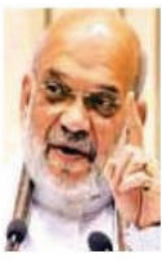

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य अवैध घुसपैठियों के नाम हटाना है। उनका कहना है कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वास्तविक भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न हो। शाह ने यह भी कहा कि अवैध घुसपैठियों को व्यवस्थित प्रक्रिया से हटाया जाएगा। जहां लागू हो, उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा।

आईएलबीएस के कार्यक्रम में बोले नड्डा

स्वस्थ भारत से साकार होगा विकसित भारत का सपना

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

नड्डा ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए दीक्षांत समारोह को उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा का महत्वपूर्ण अवसर बताया।उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित

संस्थान से डिग्री प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। जिसे रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए विशिष्टता हासिल है। नड्डा ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान के योगदान का उल्लेख कर कहा कि आईएलबीएस देश भर के घर-परिवारों में जागरुकता लाई है।

अयोध्या में बड़ा हादसा

स्नान के दौरान सेल्फी लेने के फेर में 5 महिलाएं डूबीं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नदी में स्नान के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में 5 महिलाएं डूब गईं। घटना मंगलवार को सनहा गांव की है। इनमें से 3 हिलाओं का शव नदी से निकाला गया, जबकि 2 अभी- भी लापता हैं। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। सनाहा निवासी मरियम, शाहीन, रशिदा, सजरूल एवं नाजिया मंगलवार को नदी में स्नान करने गई थीं, तभी एक-एक करपांचों गहरे पानी में डूबने लगीं। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में पांचों नदी में समा गईं।

जहां हुई वहां स्नान के लिए घाट तक नहीं है। एसडीएम सविता राजपूत ने बताया कि नदी में सेल्फी लेने के दौरान यह हादसा हुआ है। देवरकोट गांव निवासी गोताखोर जीवधारी पांडेय की मदद से मरियम, शाहीन व सजरूल को नदी से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन रास्ते में मौत हो चुकी थी।

परिवार अदालत ने गुजारा भत्ता दावे को किया था खारिज

पत्नी को मायके का सहारा पति को गुजारा भत्ता देने से मुक्त नहीं करता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

हाईकोर्ट का कहना है कि संकट के दौरान पत्नी को मायके का सहारा मिलना, पति को उसके गुजारा भत्ता देने के दायित्व से मुक्त नहीं कर सकता। अदालत ने बुलंदशहर की परिवार अदालत के निर्णय के खिलाफ पत्नी और उसके दो नाबालिग बच्चों की ओर से दायर की गई आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली है। इससे पहले परिवार अदालत ने दिसंबर 2023 में पत्नी के गुजारा भत्ता दावे को खारिज कर दिया था। साथ ही हर बच्चे को प्रति माह 3,000 रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

अदालत ने सुनाया बड़ा फैसला

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने कहा कि पत्नी को पति से गुजारा भत्ता पाने से केवल इसलिए मना नहीं किया जा सकता, क्योंकि संकट के दौरान पत्नी के माता पिता उसकी मदद करते हैं।

पत्नी ने उत्पीड़न का लगाया था आरोप

पत्नी का आरोप था कि शादी के बाद पति और ससुरालीजन उसका उत्पीड़न करते थे। पत्नी का आरोप था कि सेना से सेवानिवृत्त उसके पति ने उसके साथ वैवाहिक रिश्ता तोड़ लिया और बाद में उसे सूचित किया कि उसने किसी अन्य महिला से विवाह कर लिया है।

विद्यार्थी समाज और देश के भविष्य को बेहतर बनाएं

विवि एसटी के आत्मविश्वास, नेतृत्व नीति निर्माण क्षमताओं को बढ़ावा दे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय जनजातीय विवि आंध्र प्रदेश के प्रथम दीक्षांत समारोह में कहा कि केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश पर अनेक विशेष जिम्मेदारियां हैं। इससे अपेक्षा की जाती है कि यह विवि जनजातीय समाज के आत्मविश्वास, नेतृत्व और नीति निर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने का केंद्र बने। ऐसी संस्थाओं का यह दायित्व भी होता है कि वे अपने क्षेत्र के जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, आजीविका और वनाधिकारों के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करें।

आजीविका संवर्धन के लिए नवाचार को बताया जरूरी

राष्ट्रपति ने कहा कि हर विवि में और विशेषकर, जनजातीय विश्वविद्यालय में, जनजातीय समाज की आजीविका संवर्धन के लिए ऐसी नवाचारी व्यवस्था होनी चाहिए जिसके आधार पर वन उपज, हस्त शिल्प, मिलेट, औषधीय पौधों, इको टूरिज्म और स्थानीय उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उपयोगी कार्यों को बढ़ावा मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों को अपने भविष्य के बारे में संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित करता है।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा

आरएसएस विश्व को पूर्णता प्रदान कर रहा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय शिक्षण मंडल की 3 दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत टोली बैठक का आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर, बेंगलुरु में सफलतापूर्वक समापन हुआ। बैठक में देश के 43 प्रांतों से आए लगभग 380 प्रतिनिधियोंकुलपति, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, नीति-निर्माता, शिक्षक एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रहे। उन्होंने कहा कि विश्व को पूर्णता प्रदान करना हमारा कार्य है। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य, मडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द जोशी , महामंत्री डॉ. भरत शरण, संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद सहित कार्यकारिणी के सदस्य एवं देशभर से आए प्रांत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय प्रांत टोली बैठक का प्रेरणादायी समापन, नवीन वेबसाइट का लोकार्पण एवं 'विविभा' पुस्तक का विमोचन किया

समारोह में डॉ. भागवत

विश्व को सही बोध देने वाली शिक्षा का निर्माण करें

डॉ.भागवत ने कहा कि आज विश्व अनेक संकटों और जटिल प्रश्नों से जूझ रहा है। वैश्विक विचारधाराएं और व्यवस्थाएं जीवन को आंशिक रूप से देखती हैं, जबकि भारत की दृष्टि जीवन, समाज, प्रकृति और समस्त सृष्टि को एकात्म रूप में समझती है। भारत की ज्ञान परंपरा प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, धर्म, संतुलन और मानवता का कल्याण है।

मंडल एक व्यापक सभ्यतागत दायित्व का वाहक

डॉ. भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल का कार्य कोई सीमित संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि भारत के व्यापक सभ्यतागत दायित्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह कार्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण का प्रयास है जो मनुष्य के समग्र विकास को केंद्र में रखती है।

भारत की वाणी को विश्व को सुनना ही होगा

हमारी समग्र दृष्टि के आधार पर समस्त प्राणिमात्र के कल्याण के लिए भारत की वाणी को विश्व को सुनना ही होगा। यह समय की आवश्यकता भी है और अनिवार्यता भी है।

पुल व आधारभूत ढांचा परियोजनाओं में देरी स्वीकार नहीं

2200 परियोजनाओं पर सीएम सख्त, 15 अगस्त से काम शुरू करने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

- पीडब्ल्यूडी की समीक्षा में सीएम सख्त, लंबित परियोजनाओं में देरी पर होगी कार्रवाई
- सड़क, पुल और अन्य आधारभूत ढांचे के निर्माण कार्यों में ढिलाई स्वीकार नही

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली मंडल के जनप्रतिनिधियों के करीब 2200 प्रस्तावों पर समीक्षा करते हुए बड़ा फैसला लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सभी स्वीकृत कार्य योजनाएं 15 जुलाई तक मंजूर कर दी जाएं और बजट जारी होते ही 15 अगस्त तक सड़क, पुल और अन्य परियोजनाओं का भूमि पूजन शुरू कराया जाए। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लंबित परियोजनाओं में देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मंगलवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित पीडब्ल्यूडी की मंडलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत योजनाओं को 15 जुलाई तक अंतिम मंजूरी देकर बजट जारी कराया जाए, ताकि 15 अगस्त तक निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, पुल और अन्य आधारभूत ढांचे के निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा के भीतर परियोजनाएं पूरी न करने वाले अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने नगर निगम की ओर से खरीदे गए 60 अत्याधुनिक स्वच्छता वाहनों को सर्किट हाउस परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें छह रोबोटिक मैनहोल सीवर क्लीनिंग मशीनें, दो स्किड लोडर, 50 सीएनजी ऑटो टिपर और दो बैकहो लोडर शामिल हैं।

इन मशीनों के संचालन से शहर की सफाई व्यवस्था अधिक आधुनिक, सुरक्षित और प्रभावी होगी तथा सीवर सफाई में मानव श्रम पर निर्भरता कम होगी।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि नए सीएनजी ऑटो टिपरों के माध्यम से घर-घर से कूड़ा चार श्रेणियों–गीला, सूखा, स्पेशल केयर वेस्ट और सैनिटरी वेस्ट–में अलग-अलग एकत्र किया जाएगा। वहीं रोबोटिक मैनहोल मशीनें बिना किसी व्यक्ति को सीवर में उतारे 360 डिग्री सफाई करने में सक्षम हैं। स्किड लोडर और बैकहो लोडर का उपयोग नालों की सिल्ट हटाने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस परिसर में बेल का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने 'दीप चैरिटेबल ट्रस्ट, बरेली' की मोबाइल नेत्र चिकित्सा सेवा वैन का उद्घाटन भी किया, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

आज से ग्राम सचिवालय में बैठेंगे लेखपाल

ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत, नहीं लगाने पड़ेंगे तहसील के चक्कर

- आय-जाति-निवास प्रमाणपत्र व खतौनी के लिए होगा त्वरित निस्तारण
- ग्राम सचिवालय बनेंगे 'वन स्टॉप सर्विस सेंटर'

लखनऊ। योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं अधिक सुगम और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अब प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसको लेकर राजस्व परिषद की ओर से सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। पत्र में रोस्टर तैयार कर 1 जुलाई से नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लगातार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवाओं को गांव स्तर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में पहले से स्थापित ग्राम सचिवालयों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की सेवाओं को ग्रामीणों तक एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। पंचायतीराज विभाग के पूर्व आदेशों के अनुरूप ग्राम सचिवालयों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। अब इसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाते हुए लेखपालों की नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण हो सके। बता दें कि ग्राम सचिवालयों के माध्यम से पंचायत सहायकों द्वारा संचालित ऑनलाइन सेवाओं में राजस्व विभाग की कई महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं। इनमें आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, हैसियत प्रमाणपत्र, खतौनी की नकल सहित लगभग दस प्रमुख सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण में लेखपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में ग्राम सचिवालय में उनकी नियमित उपलब्धता से ग्रामीणों को तहसील के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी। राजस्व परिषद ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि लेखपाल केवल प्रमाण पत्रों से जुड़े कार्य ही नहीं करते, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूत कड़ी के रूप में भी कार्य करते हैं। तहसील दिवस, थाना दिवस, वरासत, स्वामित्व योजना, किसान सम्मान निधि, राहत एवं पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, भूमि विवादों का निस्तारण, कृषि गणना, जनगणना, फसल गिरदावरी, प्राकृतिक आपदाओं की रिपोर्ट, अवैध कब्जों की जांच, खनन संबंधी सत्यापन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सत्यापन तथा धान-गेहूं क्रय केंद्रों के सत्यापन जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्व भी लेखपाल निभाते हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में भी लेखपालों की रिपोर्ट और सत्यापन की आवश्यकता पड़ती है। वहीं ग्राम पंचायत स्तर पर लेखपालों के बैठने के लिए कोई निश्चित व्यवस्था नहीं होने के कारण आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कारोबारी को कार ने मारी टक्कर, सौ मीटर घिसटने से मौत

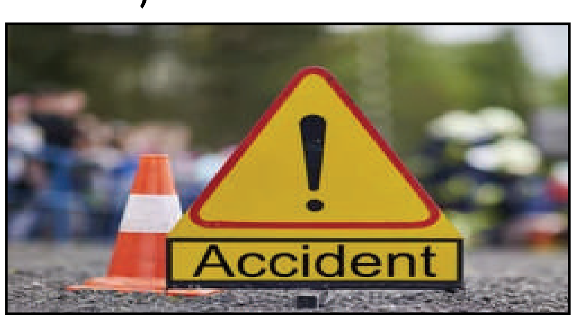

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दुबग्गा में सोमवार दोपहर पिकअप का पंचर पहिया बदलते वक्त सड़क किनारे खड़े कारोबारी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। कारोबारी कार में फंस गए और घिसटते हुए चले गए। 100 मीटर दूर कारोबारी कार से छूटकर गिरे। पुलिस कारोबारी को केजीएमयू लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। संतकबीर नगर के साकिन ग्राम पोस्ट शनिचरा बाजार निवासी राम नेवाश अग्रहरी (89) आम कारोबारी थे। मृतक के बेटे रवि ने बताया कि पिता सोमवार को पिकअप लेकर फरदिपुर फल मंडी आम लेने गए थे। वह मंडी से आम लोड कर घर आ रहे थे। सैदपुर महेरी रिंग रोड पर पहुंचे तो पिकअप का पहिया पंचर हो गया। चालक रोहित ने वाहन का पहिया बदलने लगे। रामनेवाश सड़क किनारे खड़े थे। इस दौरान बेकाबू कार ने रामनेवाश को टक्कर मार दी। पुलिस रामनेवाश को काकोरी सीएचसी लेकर कर पहुंची, जहां से डॉक्टर ने केजीएमयू रेफर कर दिया। वहां डॉक्टर ने देखते ही कारोबारी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर परिजन केजीएमयू पहुंचे। पुलिस ने मृतक के बेटे रवि की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है

महिला की चेन लूटने वाली तीन शातिर महिलाएं गिरफ्तार

वारदात के बाद कपड़े बदलकर आम के बाग में छिपी थीं आरोपी महिलाएं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ई-रिक्शा ऑटो में सफर कर रही महिला के गले से सोने की चेन लूटने की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर महिला अभियुक्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 10 ग्राम वजनी लूटी गई सोने की चेन भी बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक बीते 28 जून रविवार दोपहर डेढ़ बजे केसरी खेड़ा थाना कृष्णा नगर लखनऊ निवासी विपिन यादव की पत्नी संगीता यादव ने मलिहाबाद थाने में तहरीर देकर बताया था कि वह ई-रिक्शा ऑटो से सवार होकर अपनी ननद मंजू यादव की ससुराल सैफलपुर जा रही थी इसी दौरान मोहान रोड घोला गांव के पास ऑटो ई रिक्शा में सवार तीन अज्ञात महिलाओं ने बातचीत में उलझाकर दिन दहाड़े उनके गले से सोने की चेन काट कर फरार हो गईं।

पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस की गिरफ्त में शातिर तीन महिलाएं

घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को बड़ीगढ़ी मोड़, मोहान तिराहे के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्ताओं ने अपना जुर्म कबूल किया।

महिला पुलिसकर्मियों द्वारा की गई तलाशी में अभियुक्ता भुल्ली देवी के कब्जे से करीब 10 ग्राम वजनी सोने की चेन बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में अभियुक्ताओं ने बताया कि उन्होंने ई-रिक्शा में महिला को निशाना बनाकर पहले बातचीत में उलझाया और मौका मिलते ही चेन काट ली। घटना के बाद शोर मचने पर उन्होंने कपड़े बदल लिए और मजदूर बनकर आम के बागों में छिप गईं, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्ताओं की पहचान भुल्ली देवी (50), निवासी सरही चमरोठी पठनटोला, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीर नगर, निशा (30) तथा संजू उर्फ राजकुमारी (30), दोनों निवासी ग्राम लेढ़या, पोस्ट धमैचा, चौकी सरैया गोला बाजार थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर के रूप में हुई है। मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि भुल्ली देवी के विरुद्ध थाना मुंडरेवा जनपद बस्ती में पहले से भी एक आपराधिक मुकदमा दर्ज है। अन्य दोनों महिला अभियुक्ताओं के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

किसानों को वितरित किए गए धान, दलहन व मिलेट फसलों के बीज

किसानों को किट वितरित करते एडीओ एजी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विकासखंड माल स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार पर मंगलवार को किसानों के बीच सामान्य धान, उड़द, अरहर सहित राज्य सहायतित निःशुल्क दलहन मिनीकिट बीजों का वितरण किया गया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश मिलेट पुनरोद्धार योजना के अंतर्गत उड़द, बाजरा, तिल, कोदो, सांवा आदि फसलों के बीज भी किसानों को उपलब्ध कराए गए। बीज वितरण कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम कुमार राही मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर दलहन एवं श्रीअन्न (मिलेट) फसलों की खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर ह्न सहायक विकास अधिकारी (कृषि) सिकंदर यादव, प्रभारी बीज भंडार विशाल कुमार पाल, अभिषेक तिवारी, प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी विमल कुमार, अरविंद कुमार तथा एटीएम भूपेंद्र सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

हत्या के आरोप में पिता-पुत्र को उम्रकैद

अमन लेखनी समाचार

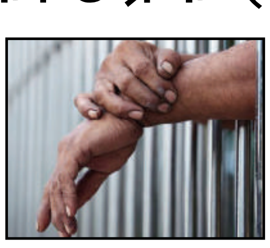

लखनऊ। रंजिश के चलते वृद्धा की लाठी डंडों से पीट-पीट कर हत्या करने में पिता और पुत्र को उम्रकैद की सजा हुई है। गोसाईंगंज थाने के रसूलपुर टिकनियामऊ निवासी सुधारी एवं उसके पुत्र श्यामू को आयुर्वेद घोटाला प्रकरण के विशेष न्यायाधीश रोहित सिंह ने सजा सुनाई। कोर्ट ने 56 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा है कि मृतका गुलाबा घर परिवार की एक जिम्मेदार महिला थी। लिहाजा दोषियों पर लगाए गए अर्थदंड की 50% धनराशि मृतका के परिजनों को दी जाएगी। अभियोजन की ओर से एडीजीसी विकास सिंह ने अदालत को बताया कि इस हत्याकांड की रिपोर्ट गुलाबा के बेटे राम प्रकाश ने 28 फरवरी 2020 को थाना गोसाईंगंज में सुधारी व उसके बेटे श्यामू के खिलाफ दर्ज कराई थी रिपोर्ट में कहा गया है कि 27 फरवरी की रात 9:00 बजे दोनों आरोपियों ने रंजिश को लेकर मां गुलाबा से गाली गलौज करने लगे। शोर सुनकर वादी व उसका बहनोई रामनाथ जब मौके पर गए तो देखा कि दोनों आरोपी मां गुलाबा को लाठी डंडे से पीट रहे थे। अदालत को अदालत कोई यह भी बताया गया कि दोनों आरोपियों ने लाठी डंडों से पीट-पीट कर गुलाबा की हत्या करने के बाद उसके शव को पड़ोस में राजन की बगिया में फेंक दिया था।

साक्ष्य आधारित शिक्षा सुधारों की ओर बढ़ा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा सुधारों को नया आयाम देते हुए अब कक्षा-कक्ष में बच्चों के वास्तविक अधिगम को शिक्षा नीति का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'पॉलिसी टू प्रैक्टिस डायलॉग' एवं टीएलपीएस (टीचिंग एंड लर्निंग प्रैक्टिसेज) उत्तर प्रदेश राज्य रिपोर्ट-2025 का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा ने की। इसमें स्कूल शिक्षा महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी, एससीईआरटी के निदेशक गणेश कुमार, बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी, राष्ट्रीय एवं राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक, एसआरजी, एआरपी, बीईओ, डायट विशेषज्ञ तथा शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए।

पीएसआई इंडिया देश की 'टॉप 100 मिड-साइज ऑर्गनाइजेशन' में शामिल

संस्था ने हासिल की 79वीं शानदार रैंक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, 01 जुलाई। महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और विकास के मुद्दों पर देश के विभिन्न राज्यों में सरकार के साथ मिलकर समुदाय को जनसुविधाओं से जोड़ने का प्रमुखता से कार्य रही संस्था पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी.एस.आई. इंडिया) को लगातार पांच बार देश के ह्नग्रेट प्लेसेस टू वर्कह्न के खिताब से नवाजा गया है। लगातार पांच वर्षों से देश की बेहतरीन कार्यस्थल वाली प्रमाणित स्वयंसेवी संस्था का दर्जा बरकरार रखे हुए पी.एस.आई. इंडिया को एक और गौरव हासिल हुआ है, मुंबई में आयोजित एक समारोह में ग्रेट प्लेस टू वर्क संस्था की ओर से पीएसआई इंडिया को देश की ह्नटॉप 100 मिड-साइज ऑर्गनाइजेशनह्न में शामिल करते हुए सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि संस्था ने शानदार 79वीं रैंक हासिल की है।

पीएसआई इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने खुशी जताते हुए इसे संस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने लगातार पांच वर्षों से हासिल कर रहे इस प्रतिष्ठित सम्मान को पीएसआई इंडिया बोर्ड के सभी सदस्यों, संस्था के 200 से अधिक सम्मानित कर्मचारियों को समर्पित करते हुए कहा कि पूरी टीम की लगन, कार्यकुशलता और जोश ने ऑर्गनाइजेशन को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाने में योगदान दिया है। पीएसआई इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेंद्र बेहरा, डायरेक्टर एचआर एंड एडमिनिस्ट्रेशन संजीव श्रीवास्तव और ऋचा शरद सेल्वी भी सम्मान ग्रहण करने में उनके साथ मौजूद रहे। ज्ञात हो कि देश के 100 से 1000 कर्मचारियों वाली संस्थाओं और कंपनियों के कर्मचारियों के कार्य वातावरण पर फीडबैक और कार्यस्थल के वृहद स्वतंत्र आंकलन के बाद यह सम्मान प्रदान किया जाता है।

मुकेश कुमार शर्मा ने कहा कि पीएसआई-इंडिया को यह सम्मान कार्यस्थल के वृहद स्वतंत्र आंकलन के आधार पर ग्रेट प्लेस टू वर्क संस्था द्वारा वर्ष 2026 के लिए प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से एक सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी कर्मचारी कल्याण की प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करेगा। श्री शर्मा ने बताया कि पीएसआई इंडिया को इससे पहले देश की पहली हैपिएस्ट प्लेस टू वर्क (काम करने के लिए सबसे सुखद स्थान) और बेस्ट प्लेस टू वर्क वाली प्रमाणित स्वयंसेवी संस्था बनने का गौरव हासिल हो चुका है। हैपीनेस रिसर्च एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड ने संस्था को हैपिएस्ट प्लेस टू वर्क का प्रमाणपत्र प्रदान किया था। यह सभी प्रमाणपत्र कर्मचारी कल्याण और सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुकेश कुमार शर्मा ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि एक खुशहाल दुनिया बनाने की हमारी यात्रा का एक अहम हिस्सा है। हम भरोसा दिलाते हैं कि संस्था इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ते हुए देश को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने का कार्य करती रहेगी। उन्होंने बताया कि संस्था कर्मचारियों को एक पारिवारिक माहौल प्रदान करने के साथ ही उनकी सुख-सुविधाओं और सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दरोगा की बेटी का फांसी के फंदे से लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक दरोगा की 21 वषीर्या बेटी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। मृतका आईएएस बनने के लिए यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मंगलवार तड़के जानकारी होने पर परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में अनौरा गांव स्थित आरके मैरिज लॉन के पास रहने वाले ओम प्रकाश सोनकर बंथरा थाने में उप निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। दरोगा ओमप्रकाश की 21 वर्षीय बेटी श्रद्धा सोनकर आईएएस तैयारी को लेकर यूपीएससी की पढ़ाई कर रही थी। बीती रात घर के सभी लोग घर में अलग-अलग सो गए। मंगलवार तड़के करीब 4:30 बजे दरोगा ओमप्रकाश अपनी बेटी श्रद्धा को जगाने पहुंचे तो उसके कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। उन्होंने कई बार आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने खिड़की से झांक कर देखा तो श्रद्धा पंखे के हुक से चद्दर के सहारे फांसी के फंदे से लटकी थी। यह दृश्य देखकर ओमप्रकाश के होश उड़ गए और उन्होंने अपने परिजनों को अवगत कराने के साथ घटना की सूचना सरोजनी नगर पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दरवाजे की कुण्डी तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में उसके पिता ओमप्रकाश सोनकर और मां आरती सोनकर के अलावा दो भाई आदित्य सोनकर व रितिक सोनकर हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि श्रद्धा ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और जांच पड़ताल के बाद ही इसका सही पता चल सकेगा।

अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सपाइयों ने रक्तदान शिविर एवं हेल्थ चेकअप का किया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सपाइयों ने मंगलवार को सरोजनी नगर के गौरी - बिजनौर रोड स्थित स्काई पब्लिक स्कूल में एक रक्तदान शिविर एवं हेल्थ चेकअप का आयोजन किया। दुर्गेश सिंह सोनू द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ सरोजनीनगर के पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव ने किया। इस दौरान श्याम किशोर यादव ने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित यह रक्तदान शिविर समाज सेवा एवं मानवता की भावना को समर्पित करते हुए आपातकालीन, गरीबों एवं मजदूरों की सहायता के लिए बढ़ाया गया एक सराहनीय कदम है। जिसमें हिस्सा लेने वाला प्रत्येक रक्तदाता एक सामाजिक योद्धा है। उन्होंने इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट कर उनकी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से सरोजनी नगर विधानसभा के सपा अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष मजदूर सभा राम बाबू चौरसिया, हरिपाल यादव, उत्तर प्रदेश बार काउंसलिंग सदस्य प्रत्याशी दीपक यादव, विमल यादव सेठ, जिला पंचायत सदस्य कैप्टन यादव, जिलाध्यक्ष मजदूर सभा ज्ञानेंद्र यादव ज्ञानू, जिलाध्यक्ष युवजन सभा शिव कुमार रावत, सभासद संतोष यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष अजीत यादव पवन, विनीत यादव, कोषाध्यक्ष इन्द्रेश यादव, सचिव गौरव शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष ललित रावत, युवा नेता भानू यादव, अनुराग यादव, इमरान खान, मोहम्मद ताहा, शुभम दीक्षित, उत्कर्ष मिश्रा, तहजीबुउल रब, दीवान गजेंद्र सिंह, शैलेंद्र यादव सहित सैकड़ो लोगों ने जरूरतमंदों के जीवन को बचाने के संकल्प के साथ रक्तदान किया। वहीं विशेष रूप से सपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, लखनऊ जिला अध्यक्ष जय सिंह जयंत, महासचिव शब्बीर खान, प्रदेश सचिव त्रिवेणी पाल, सांसद प्रतिनिधि बचान सिंह यादव, हरिशंकर यादव, संदीप यादव, वरिष्ठ नेता विनोद शुक्ला, रामावतार धीमान, रामशरण यादव, सुरेश रावत, जगमोहन यादव सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र से सोमवार को एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के मुताबिक उसकी 17 वर्षीय बेटी सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे घर में बिना किसी को कुछ बताए अचानक कहीं चली गई। पीड़ित का कहना है कि काफी देर बाद भी वापस न लौटने पर रिश्तेदारी और परिचितों के यहां उसकी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कहीं कोई अता पता नहीं चल सका। पीड़ित का कहना है कि उसकी बेटी घर से अपने साथ कुछ गहने और अपनी मां का मोबाइल फोन भी ले गई है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी कैमरों के सहारे किशोरी का सुराग लगाने में जुट गई है।

संक्षेप

भूमि विवाद को लेकर छोटे भाई ने बड़े भाई पर किया जानलेवा हमला

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में सोमवार की रात भूमि बटवारे को लेकर भाइयों के बीच बिवाद हो गया छोटे भाई ने बड़े भाई पर लाठी से हमला कर दिया जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के बरहा कला गांव निवासी सूरज सिंह का छोटे भाई धर्मेंद्र सिंह से भूमि बिवाद चल रहा है उसी को लेकर सोमवार की रात दोनों के बीच कहासुनी होने लगी जिस पर धर्मेंद्र सिंह ने बड़े भाई सूरज सिंह पर लाठी से हमला कर दिया जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गया जिसे मियागंज अस्पताल से गभींर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नही मिली है तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सांकेतिक हड़ताल कर न्यायिक कार्य से अधिवक्ता रहे विरत

बीघापुर, उन्नाव। तहसील मुख्यालय में धारा 38 (२) पत्रावलियों के निस्तारण न होने से तहसील बार के अधिवक्ता सांकेतिक हड़ताल कर न्यायिक कार्य से विरत रहे।निस्तारण न किए जाने पर शीघ्र ही आगे आंदोलन की चेतावनी दी। तहसील मुख्यालय में उन्नाव बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष जायसवाल ने तहसील अधिवक्ताओं के साथ बैठक की।बैठक में धारा 38 (2) उत्तर प्रदेश राज्य संहिता के अंतर्गत दायर वादों की पत्रावलियों का कोई लेखा-जोखा किसी न्यायालय के पास उपलब्ध न होने पर आक्रोश जताते हुए न्यायालयों की घोर लापरवाही को दुर्भाग्यपूर्ण बताया । अधिवक्ताओं द्वारा सर्व सम्मति से सांकेतिक हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया। अधिवक्ताओं ने कहा कि यदि पत्रावलियों को दर्ज रजिस्टर नहीं किया जाता और उन पर तत्काल आख्या मंगाकर निस्तारण नहीं किया जाता तो अग्रिम कार्यवाही के लिए अधिवक्ता बाध्य होंगे। 14 जुलाई को अधिवक्ताओं की पुनः बैठक होगी । बैठक में लिए गए निर्णय की सूचना तहसील में संचालित न्यायालय में भेज दी गई। बार के अध्यक्ष केपी सिंह,सुरेश पटेल ,राजेंद्र सिंह राठौर ,प्रभात सिंह ,श्यामू सिंह आदि रहे।

मोतेश्वर धाम में 6 जुलाई से भागवत कथा का किया जाएगा आयोजन

मौरावां, उन्नाव। परमपिता परमात्मा की कृपा से मोतेश्वर धाम मौरावां में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ 6 जुलाई सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।आयोजन 6 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक चलेगा। प्रतिदिन सायं 7 बजे से हरि इच्छा तक परम पूज्या कथा व्यास माधुरी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतवर्षा होगी।13 जुलाई सोमवार को पूर्णाहुति, हवन एवं महाप्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन होगा। आयोजकों ने समस्त ग्रामवासियों, क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से सपरिवार पधारकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ व पुण्य अर्जित करने का आग्रह किया है।

रोजी रोटी कमाने जा रहे दो युवकों की मार्ग दुर्घटना में मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कमाई करने घर से दिल्ली जा रहे बांगरमऊ क्षेत्र निवासी दो युवकों की मथुरा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार की अलसुबह मार्ग दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल के लिए रवाना हो गए है। दुखद सूचना के से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव देर शाम तक घर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।बांगरमऊ क्षेत्र के कस्बा गंजमुरादाबाद के मोहल्ला अंसार मौदान निवासी खुर्शीद 24 वर्ष पुत्र इरसाद व मुबारक 27 वर्ष पुत्र सादिक काम के सिलसिले में दिल्ली जा रहे थे तभी मंगलवार को अलसुबह मथुरा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर जिस बस में वह लोग सवार थे वह बस पीछे से एक ट्रेलर में घुस गई इस दर्दनाक हादसे में दोनों की मौत हो गई।घटना के बाद स्थानीय पुलिस का फोन आने पर परिजनो को घटना की जानकारी मिली तो परिजन घटनास्थल के लिए रवाना हो गए है दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद देर शाम तक घर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। मृतक मुबारक की मौत से पत्नी साइमीन दो अबोध बच्चों के साथ रोकर बेहाल है वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था बड़ा भाई साबिर व छोटा भाई सुएब है मां नूरजहां व तीन बहनों में चांदनी , ईशाना की शादी हो चुकी है जबकि फलक अभी अविवाहित है।

दोनो दिल्ली में जरी दरदोजी के रूप में कढ़ाई का काम करते थे जो मोहर्रम त्यौहार पर घर आए थे तथा सोमवार को शाम पहर घर से निकले थे किंतु दिल्ली पहुंचने से पूर्व ही हादसे में दोनो की जान चली गई।

दोनो दिल्ली में जरी दरदोजी के रूप में कढ़ाई का काम करते थे जो मोहर्रम त्यौहार पर घर आए थे तथा सोमवार को शाम पहर घर से निकले थे किंतु दिल्ली पहुंचने से पूर्व ही हादसे में दोनो की जान चली गई।

मौरावां व पुरवा में छापेमारी, 10 लीटर कच्ची शराब बरामद, एक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी टीम ने मौरावां व पुरवा थाना क्षेत्र के कई गांवों में छापेमारी कर 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। एक अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि 350 किलो लहन महुआ नष्ट किया गया। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र के नेतृत्व में 29 जून 2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 पुरवा निशांत सिंह ने हमराह व स्थानीय पुलिस के साथ मौरावां थाना क्षेत्र के ग्राम असरेंदा, बरेंदा, हड़हरा तथा पुरवा थाना क्षेत्र के ग्राम मझिगवां सदकू में दबिश दी। छापेमारी के दौरान कुल 10 लीटर कच्ची शराब बरामद कर अभियुक्त पंछी पुत्र स्व. धुन्नू निवासी असरेंदा थाना मौरावां को गिरफ्तार किया गया। थाना मौरावां में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।मौके पर करीब 350 किलो लहन महुआ भी नष्ट किया गया। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन व उप आबकारी आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर अवैध शराब की बिक्री व तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत की गई।

जल जीवन मिशन के पाइप चोरी कोर्ट के निर्देश पर दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बारासगवर थाने के अंतर्गत चल रही जल जीवन मिशन के पाइप चोरी हो जाने पर प्रोजेक्ट मैनेजर ने न्यायालय की शरण की । न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बारासगवर थाना क्षेत्र में जल जीवन मिशन का कार्य देख रही मेघा इंजीनियारिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर बालेडा सरवन कुमार पुत्र बालेडा वेंकट राव निवासी श्रीकाकुलम आंध्र प्रदेश ने न्यायालय में बताया कि बीघापुर ब्लाक की साईट थाना बारा क्षेत्र में चल रही है जिसमे कार्य में प्रयोग आने वाले 54 विभिन्न प्रकार के ऊक पाइप ग्राम-करमी में मुख्य मार्ग के किनारे सुरक्षित रखवाए गए थे ।रखवाए गए पाइप पिछले सोमवार को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए। उक्त चोरी की सूचना अगले दिन थाना बारा-सगवर को दी गयी जिस पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन पुलिस द्वारा दिया गया था ।पुलिस अधीक्षक को भी शिकायती प्रार्थनापत्र दिए गए परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुयी। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने थाना बारासगवर को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

बीमारी के चलते ग्राम सचिव का हुआ निधन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खण्ड में कार्यरत ग्राम सचिव/एडीओ पंचायत की लंबी बीमारी के चलते मौत हो गयी। ब्लॉक मुख्यालय में सभी कर्मचारियों व अधिकारियों की ऊदल सिंह के जाने का छलका दर्द। बिछिया विकास खण्ड में ग्राम सचिव पद पर तैनात ऊदल सिंह 55 वर्ष पुत्र बालेश्वर प्रसाद निवासी आवास विकास अंबेडकर पुरम कल्याणपुर जनपद कानपुर जो कि बिछिया विकास खण्ड में करीब 2 वर्ष से कार्यरत थे। तैनाती के समय उन्हें विकास खण्ड में प्रभारी एडीओ पंचायत के पद पर करीब 1 वर्ष से अधिक कार्यकाल मे मुस्तैद रहे ।उसके बाद उन्होंने ब्लॉक मुख्यालय ग्राम पंचायत बिछिया व सकरन की सचिव पद की जिम्मेदारी सौप दी गयी। लंबी बीमारी के चलते सोमवार देर रात करीब 2 बजे कानपुर के ही एक निजी हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली।ऊदल सिंह की मौत से ब्लॉक के सभी ग्राम सचिव व कर्मचारियों व अधिकारियों में गमगीन माहौल बना रहा। मंगलवार दोपहर बीडीओ फहद खान व प्रमुख नीरज गुप्ता की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित कर उनके छायाचित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के दौरान सभी कर्मचारियों व अधिकारियों की आंखों में आंसू छलक आए। बीडीओ फहद खान ने कहा कि ऊदल सिंह जी एक नेक दिल व कर्मठशील व कार्य के प्रति सजग प्रहरी व्यक्ति थे। ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने ऊदल सिंह की प्रशंसा करते हुए नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ग्राम सचिवों ने कहा सीनियर होने के साथ वह एक बहुत ही ज्ञानशील व जानकार व्यक्ति थे ।उनके आकस्मिक चले जाने से हम लोगों ने अपना अभिभावक खो दिया है कहकर नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बिछिया सीएचसी अधीक्षक डॉ नरेंद्र कुमार सहित पूरा स्टॉफ मौजूद रहा।

बहु बेटी सम्मेलन का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज पारिवारिक सौहार्द एवं महिला सम्मान को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को अचलगंज थाने के ग्राम अमरसस में एक ₹बहू-बेटी सम्मेलन₹ का आयोजन किया गया। जिसमें सास, बहू, ननद, भाभी, मां, बेटी एवं छात्राओं समेत सम्मानित नागरिकों ने प्रतिभाग किया। महिला सशक्तिकरण के तहत आयोजित चौपाल में महिलाओं को पारिवारिक संबंधों में प्रेम, सम्मान एवं आपसी विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।उपनिरीक्षक अशोक दुबे ने बताया कि परिवार की बहू को सदैव बेटी के समान सम्मान एवं स्नेह दिया जाना चाहिए तथा बहू और बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। इसी प्रकार बहुओं को भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सास को मां के समान समझना चाहिए। महिला आरक्षी पूजा ने महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं एवं पुरुषों को परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मधुर संबंध बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया ।इस मौके पर सास बहू, ननद भौजाई ने एक दूसरे को माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शीला, सन्नी, रामवती,बिंदेश्वरी ,दिव्या, समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

बारिश से भीषण गर्मी व उमस से लोगो को मिली राहत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को मंगलवार सुबह मौसम ने राहत दी।सुबह से आसमान में बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ जिले के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। करीब नौ बजे शुरू हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। आसीवन, सफीपुर, गंजमुरादाबाद, बांगरमऊ, शुक्लागंज और उन्नाव शहर समेत जिले के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को मौसम बदलने के बाद काफी राहत मिली। हालांकि, कुछ स्थानों पर बारिश के कारण जलभराव और कीचड़ की समस्या भी देखने को मिली।मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में कमी आने से गर्मी और उमस का असर कम हो गया और मौसम सुहावना हो गया।लगातार गर्मी के कारण खेतों की नमी कम हो रही थी और किसान बारिश का इंतजार कर रहे थे। मंगलवार की बारिश को किसानों ने खरीफ फसलों के लिए लाभकारी बताया।उनका कहना है कि इससे खेतों में पर्याप्त नमी आएगी और धान की नर्सरी समेत अन्य फसलों की तैयारी में मदद मिलेगी।

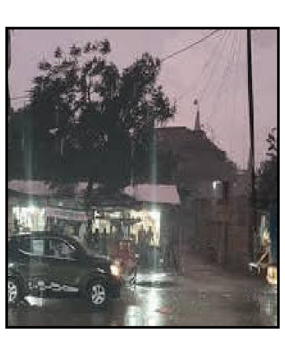

किसान रामलाल और हरिप्रसाद ने बताया कि लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण सिंचाई पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा था।अब बारिश से खेतों को फायदा मिलेगा और फसलों की बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है।बारिश के बाद चली ठंडी हवाओं से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम पूरी तरह बदल गया।सुबह तक जहां लोग तेज धूप और उमस से परेशान थे, वहीं बारिश के बाद बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को गर्मी से राहत मिली।

नशेबाज पति ने अपनी पत्नी को लाठी डंडों से जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बारा सगवर थाने के गाँव नरापतखेडा निवासिनी शिव देवी पत्नी जीतेन्द्र कुमार ने अपने पति पर आरोप लगाते हुए तहरीर दी कि उसका पति शराब के नशे का आदी है ।वह आय दिन उसको मारता पीटता रहता है जिससे परेशान होकर अब वह अपने पति से अलग दूसरे मकान में रहती है लेकिन वहाँ भी आकर मारता पीटता है।रविवार रात 2 बजे जान से मारने के इरादे से उसका पति घर मे घुस आया व लाठी डंडों से मारा जिससे उसे काफी चोट आई है ।शोर शराबा सुनकर उसकी पुत्री ने आकर बचाव किया । पूर्व में कई बार ऐसी घटनाये घटित कर चुका है व उसकी जान का खतरा बना है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ।मामले की जांच की जा रही है।

पत्नी पर लगा लाखों के जेवर लूटने व गर्भ गिराने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।जनपद में रिश्तों की मयार्दा को तार-तार कर देने वाला एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है।एक तरफ जहां पीड़ित पक्ष का सीधा-साधा युवक अपनी पत्नी को साथ रखने के लिए पूरी तरह तैयार है, वहीं दूसरी तरफ ससुराल पक्ष के लोग कथित तौर पर झूठे आरोपों और मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर उससे भारी-भरकम रकम वसूलने पर आमादा हैं।पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है।

दुबई में नौकरी, पीछे से शुरू हुआ प्रताड़ना का दौर

पीड़ित संतोषी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसके भाई दिलीप का विवाह 24 नवंबर 2025 को राधा निर्मल पुत्री पृथ्वी पाल (निवासी ग्राम मिर्रीकलां) के साथ हुआ था। विवाह के समय लाखों रुपये के जेवर, नगद और अन्य कीमती उपहार दिए गए थे।दिलीप, जो लगभग 10 वर्षों से दुबई में रहकर परिवार का भरण-पोषण कर रहा है, उसकी अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए ससुराल पक्ष ने साजिश शुरू कर दी।

डीएनए जांच की बात पर गिराया गर्भ

शिकायत के अनुसार, दिलीप के दुबई में रहने के दौरान पत्नी राधा गर्भवती हो गई। 21 जनवरी 2026 को जब दिलीप वापस आया, तो उसे इस पर संदेह हुआ। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब दिलीप ने डीएनए जांच की बात कही, तो राधा ने फरवरी 2026 में मायके जाकर ढाई माह का गर्भ गिरा दिया।

जेवर लेकर घर खाली करने का आरोप

पीड़िता का आरोप है कि 6 अप्रैल 2026 को राधा निर्मल अपनी मां शांती देवी, भाई राज निर्मल, चाचा मनीष, मामा अयोध्या प्रसाद और रोहन चौधरी के साथ उसके घर पहुंची। आरोप है कि इन लोगों ने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी और घर में मौजूद लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर, जिनमें जंजीरें, अंगूठियां, मंगलसूत्र और अन्य कीमती सामान शामिल था, जबरन लूट लिए।

7 .5 लाख रुपये और तलाक के लिए बना रहे दबाव

संतोषी ने बताया कि अब ससुराल पक्ष के लोग लगातार फोन पर धमका रहे हैं और रोहन चौधरी कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोपियों का सीधा दबाव है कि वे 7 लाख 50 हजार रुपये दें और राधा से तलाक लें, अन्यथा उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाकर बर्बाद कर दिया जाएगा।

पीड़ित परिवार का कहना है कि दिलीप बेहद सीधा और नेक इंसान है, जो आज भी विवाद खत्म कर अपनी पत्नी को साथ रखने को तैयार है, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग समझौते के बजाय वसूली और प्रताड़ना का रास्ता अपनाए हुए हैं।थाने पर सुनवाई न होने के बाद अब पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महिला ने अपने ससुरालीजनो पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के गांव मवैया निवासी दीप्सी पुत्री सर्वेश कुमार वर्मा ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर पति, ससुर ,जेठ ,जेठानी पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है।

दीप्सी वर्मा ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसका विवाह 20 अप्रैल 2024 को जितेंद्र कुमार चौधरी पुत्र गोविंद चौधरी निवासी कृष्णा नगर मुराई बाग थाना डलमऊ जिला रायबरेली के साथ हुआ था ।शादी के बाद से ही ससुराल के लोग लगातार स्कॉर्पियो की मांग कर रहे थे। दहेज न पूरी होने पर पति जितेंद्र कुमार ,ससुर गोविंद चौधरी, जेठ सुरेंद्र कुमार व वीरेंद्र कुमार,जेठानी हिमांशी व मनोरमा ने मारपीट का उसके सारे जेवर छीन लिए तथा उसे घर से निकाल दिया। सूचना पर मेरे पिता सर्वेश वर्मा व भाई वहां पहुंचे और डलमऊ थाने में शिकायत की लेकिन थाने में ससुराल पक्ष के लोगों ने किसी भी बात पर सहमत नहीं हुए। मजबूर होकर वह अपने पिता के साथ मायके मवैया वापस आ गई। 21 जून को सुबह 9:00 बजे पति जितेंद्र ,ससुर गोविंद ,जेठ सुरेंद्र ,जेठानी हिमांशी आदि उसके घर पर आए और दहेज को लेकर बाद विवाद करते हुए गाली गलौज करने लगे ।पड़ोसी लोगों के आ जाने से ससुराल के लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार कटियार ने बताया कि तहरीर पर पति ,ससुर, जेठ और जेठानी के ऊपर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर लिया गया है जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

दूध देने डेरी जा रहे बाइक की आमने सामने भिड़ंत युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के भवलिया गांव निवासी शिव शंकर मौर्या का 35 वर्षीय पुत्र कुलदीप दूध का काम करता है , रोज की भांति सोमवार की शाम लगभग आठ बजे कालूखेड़ा असरेन्दा मार्ग पर पहासा के पास यादव दूध डेरी में दूध देने जा रहा था , कालूखेड़ा असरेन्दा मार्ग पर गांव से अभी वह पांच सौ मीटर दूर जंगली बाबा कुटी के पास पहुंचा ही था कि कालूखेड़ा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार से सीधी भिड़ंत होगई ,टक्कर लगते ही कुलदीप गिर गया और सर में चोट लग गई , राहगीरों व ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजन कुलदीप को लेकर कालूखेड़ा स्थित निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जवाब दे दिया , घायल कुलदीप को परिजन मोहनलालगंज स्थित पी जी आई ले गए जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया , म्रतक की मा शिवरानी पत्नी मैत्री मौर्या तथा बहनों का रो रो बुरा हाल है ।म्रतक अपने पीछे तीन वर्षीय पुत्र समर्थ व छह वर्षीय पुत्री नित्या को रोता बिलखता छोड़ गया है म्रतक अपने माता पिता का एकलौता पुत्र था तथा पिता के साथ ही खेती बाड़ी में हांथ बटाते हुए दूध का कार्य करता था ।प्रत्यक्ष दर्शियों की माने तो जिस बाइक से कुलदीप की टक्कर हुई बाइकसवार बहुत तेज था तथा दारू के नशे में थे । समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने किसी के खिलाफ प्रार्थना पत्र नही दिया था ।थाना प्रभारी फूल सिंह ने बताया की तहरीर मिलती है तो तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जाएगी ।

सिपाही से मारपीट मामले में अग्निशमन केंद्र के प्रभारी निलंबित

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव।अग्निशमन केंद्र में तैनात वाहन चालक एवं केंद्र प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे शैलेन्द्र सिंह के बीच हुए मारपीट मामले को लेकर विभागीय जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद निलंबित कर दिया गया है।बीघापुर अग्निशमन केंद्र पर तैनात सिपाही विशाल पटेल ने आरोप लगाया था कि 22 जून को शैलेन्द्र सिंह ने केंद्र परिसर में ही लोहे के प्लास से उनकी पिटाई की, जिससे उन्हें चोटें आईं। विशाल का कहना है कि शैलेन्द्र काफी समय से उन्हें बिना किसी कारण परेशान कर रहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 12 जून को उनके विरुद्ध जीडी में झूठी रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी।

पीड़ित सिपाही विशाल पटेल ने बताया कि मारपीट की घटना के बाद उन्होंने उच्च अधिकारियों से शिकायत की थी।शिकायत की जांच कराई गई, जिसमें मारपीट सहित अन्य आरोप सही पाए गए। इसके बाद विभाग ने शैलेन्द्र सिंह के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की।

विशाल पटेल का आरोप है कि शैलेन्द्र सिंह वाहन चालक के पद पर तैनात होने के बावजूद स्वयं को उपनिरीक्षक की तरह व्यवहार करते थे और केंद्र पर कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाते थे।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि सिपाही के साथ मारपीट और अन्य शिकायतों की विभागीय जांच कराई गई थी।जांच में आरोप सही पाए जाने पर शैलेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र के मोहकमगंज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई ।सुचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया ।

सोमवार को पुरवा थाना क्षेत्र के किशुनखेड़ा निवासी जय प्रकाश गौतम 42 पुत्र अमरपाल गौतम ग्राम मझिगवां जाने के लिए घर से निकला था ।मोहकमगंज के पास अज्ञान वाहन की टक्कर से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दिया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया ।मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था ।दो भाई अनिल व कमल कुमार है ।मृतक के दो बेटे अभिषेक 13 व विवेक 6 व बेटी नैन्सी 10 वर्ष है ।घटना की सूचना पर परिवार मे कोहराम मच गया ।पत्नी बिटोला रो रो कर बेहाल है ।मृतक मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था ।बिहार थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है ।

हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

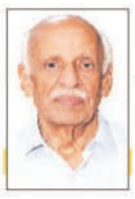

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

> **विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।**

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मुनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

अवैध निर्माण वैध करना गलत

जुर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

खास बातें

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

हादसा

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं-यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नही है, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नही रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण मे स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते है और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है । देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ मे प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात मे कोई दो राय नही है कि सरकार ऐसे मामलो मे एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नही समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नही जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

> **देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।**

अमित शाह : दृढ़ नेतृत्व, निर्णायक फैसले और राष्ट्रहित की राजनीति

लेखक - डॉ0 राज कुमार सिंह चौहान

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

भारतीय राजनीति में अमित शाह का नाम एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने संगठनात्मक क्षमता, राजनीतिक रणनीति और निर्णायक नेतृत्व के बल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्तमान में भारत के गृह मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक ऐसे निर्णयों और पहलों का नेतृत्व किया है, जिन्हें उनके समर्थक राष्ट्रहित, राष्ट्रीय एकता और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानते हैं।

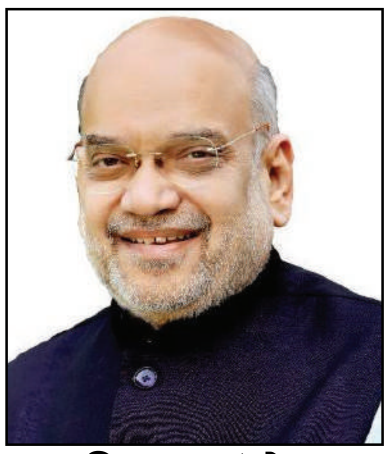

धारा 370 का निरस्तीकरण : राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम

अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से संबंधित भारतीय संविधान की अस्थायी धारा 370 और अनुच्छेद 35ए को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। इस कदम को स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक निर्णयों में से एक माना जाता है। समर्थकों का मानना है कि इससे जम्मू-कश्मीर का पूर्ण एकीकरण भारत के अन्य राज्यों के समान संवैधानिक ढांचे में हुआ तथा विकास और निवेश के नए अवसर खुले।

आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास

गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष बल दिया। आतंकवाद, उग्रवाद और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की नीति अपनाई गई। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण के लिए भी अनेक पहलें की गईं।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA)

अमित शाह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ) का समर्थन करते हुए इसे पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले अल्पसंख्यकों को राहत देने वाला मानवीय कदम बताया। इस कानून को लेकर देश में व्यापक चर्चा और बहस हुई, लेकिन सरकार ने इसे अपने प्रमुख विधायी निर्णयों में शामिल किया।

नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान

देश के कई राज्यों में नक्सलवाद की चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर कार्य किया। सरकार का दावा है कि पिछले वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है तथा प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा

अमित शाह को देश के पहले केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। उन्होंने सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने, उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका बढ़ाने के लिए अनेक पहलें शुरू कीं। उनका मानना है कि सहकारिता ग्रामीण भारत की आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।

संगठन निर्माण की अद्भुत क्षमता

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अमित शाह ने पार्टी संगठन को देश के अनेक राज्यों में विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं को सक्रिय बनाने की उनकी रणनीति को भारतीय राजनीति में विशेष रूप से याद किया जाता है।

अमित शाह का राजनीतिक जीवन दृढ़ संकल्प, संगठनात्मक दक्षता और बड़े निर्णयों के लिए जाना जाता है। धारा 370 का निरस्तीकरण, आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयास, सहकारिता क्षेत्र में सुधार तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने की पहलें उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में उल्लेखित की जाती हैं। समर्थकों की दृष्टि में वे ऐसे नेता हैं जिन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कई ऐतिहासिक निर्णयों का नेतृत्व किया और भारत को अधिक सशक्त, सुरक्षित तथा संगठित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(लेखक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के प्रधान संपादक हैं)

बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

व्यवस्था

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

> **हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो**

संक्षेप

बाइक गड्ढे में गिरी, युवक की मौत

रात भर गड्ढे में पड़ा रहा, सुबह राहगीरों की नजर पड़ी तो बुलाई पुलिस

अमेठी ,देर रात एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मुंशीगंज थाना क्षेत्र के लोनियापुर पूरबगांव मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। सुबह ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के मठा भुसुंडा गांव निवासी लल्लन चौहान पुत्र राम अंजोर चौहान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, लल्लन चौहान अपने साढ़ू के घर मुंशीगंज थाना क्षेत्र के शाहगढ़ से एक पार्टी में शामिल होकर देर रात अपने घर लौट रहे थे। लोनियापुर पूरबगांव मोड़ पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में लल्लन की मौके पर ही मौत हो गई। रात के अंधेरे के कारण किसी की नजर उन पर नहीं पड़ी। आज सुबह जब ग्रामीणों ने शव देखा, तब पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही मुंशीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुंशीगंज थाना प्रभारी शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि लल्लन रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच अपने घर जा रहे थे। अंधे मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरने से उनकी मौत हुई है।

चेकिंग में अमेठी पुलिस के हत्थे चढ़े दो युवक

अवैध तमंचे और कारतूस बरामद, एक पर पहले से दर्ज है मुकदमा

अमेठी ,अपराध नियंत्रण अभियान के तहत मुसाफिरखाना पुलिस ने रविवार को दो युवकों को अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। चेकिंग अभियान के दौरान मिली सफलता पुलिस अधीक्षक के निर्देश और क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना के नेतृत्व में क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हिरासत में लिया। दोनों आरोपियों से अलग-अलग हथियार बरामद पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान मो. नसीर निवासी तकिया मजरे जमुवारी के कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। वहीं अमित दुबे उर्फ गौरव निवासी खरगीपुर दुबे मजरे टिकरा के पास से 12 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला।आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किए गए मुकदमेबरामदगी के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुसाफिरखाना थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।एक आरोपी पर पहले से दर्ज है मामलापुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मो. नसीर के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस उसके पुराने रिकॉर्ड और गतिविधियों की भी समीक्षा कर रही है।

रूपईडीहा में अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के विवाद में थमा विकास

कीचड़ भरे रास्तों से गुजरने को मजबूर लोग

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा में नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के बीच चल रहे विवाद का खामियाजा अब आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं, जिससे नगर क्षेत्र में सड़क, नाली और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रभावित हो गई हैं।हल्की बारिश होते ही कई मोहल्लों की सड़कें कीचड़ और जलभराव से भर जाती हैं। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। एक जुलाई से विद्यालय खुलने जा रहे हैं, ऐसे में स्कूली बच्चों को भी कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से होकर स्कूल जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार बच्चे फिसलकर गिर भी जाते हैं। सबसे अधिक समस्या नगर पंचायत के वार्ड संख्या-9 दीन दयाल नगर क्षेत्र में है, जहां फकीरे चिकवा के घर से कौशलेंद्र पांडे के प्लांट तक लगभग 150 मीटर सड़क आज तक नहीं बन सकी है। स्थानीय निवासी कल्लू, चुनाऊ मिस्त्री, गुड्डू, सगीर और गोपाल सहित अन्य लोगों का कहना है कि इस सड़क के अभाव में लगभग एक हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार नगर पंचायत अध्यक्ष तथा अधिशासी अधिकारी को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो यह मोहल्ला नगर पंचायत का हिस्सा ही न हो। वार्ड के सभासद ने बताया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव कई बार नगर पंचायत बोर्ड की बैठकों में रखा जा चुका है तथा तीन से चार बार इसकी नापी भी हो चुकी है। उनका कहना है कि अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहते हैं, जिसके कारण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है तथा मामले से जिला प्रशासन को भी अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर पंचायत के दो जिम्मेदार अधिकारियों के आपसी विवाद में विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है और इसका सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर रुके हुए विकास कार्यों को शुरू कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने पंचायत सचिव के विरुद्ध बीडीओ बलहा को दिया प्रार्थनापत्र

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। प्रधान व पंचायत सचिव की मिलीभगत से पंचायत में करवाए गए कार्यों में की गई भारी अनियमिताएं, सरकारी पैसे से भर ली गई अपनी जेबें ! क्या डबल इंजन सरकार का यही विकास है जब ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ग्रामोत्थान के पैसों से भरेंगे अपनी जेब तो कहां से होगा गांव का विकास व उत्थान विकास कार्यों में अनिमिताओं को लेकर ग्रामवासियों ने खंड विकास अधिकारी बलहा को शिकायती पत्र सौंपते हुए जांच की मांग किया है।खबर जनपद बहराइच के विकासखंड बलहा से जुड़ी हुई है जहां ग्राम पंचायत वैवाही के मजरा दूधाधारी निवासी मनीष तिवारी, महेश निषाद, करन सोनी, अवधेश यादव ने खंड विकास अधिकारी बलहा को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि संबंधित पंचायत सचिव सुनील कुमार कभी ग्राम पंचायत में नहीं आते हैं, ग्राम पंचायत में काफी अनिमिताओं का काम हुआ है- फिर चाहे वह शोकपिट हो, सार्वजनिक शौचालय हो, पानी निकास व्यवस्था हो, या चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी में हैंडपंप मरम्मत की व्यवस्था हो।इंटरलॉकिंग, खडंजा निर्माण आदि सब में जमकर बंदरबांट किया गया है। शिकायत करने पर पंचायत सचिव ग्रामीणों को ही धमकी देते हैं। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी बलहा राजेश पांडे ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है, जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करवाई जाएगी।

जनमत के 20 वर्षों से जारी रक्तदान अभियान की 70वीं श्रृंखला संपन्न, 17 लोगों ने किया रक्तदान

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नेपाल के प्रतिष्ठित समाचार पत्र जनमत द्वारा पिछले 20 वर्षों से निरंतर चलाए जा रहे त्रैमासिक रक्तदान अभियान की 70वीं श्रृंखला खजुरा बाजार में सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसमें एक महिला सहित 17 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। इससे पूर्व अभियान की 69वीं श्रृंखला गोपाल-नीना फाउंडेशन नेपाल परिसर में आयोजित की गई थी, जिसमें 9 महिलाओं समेत कुल 49 लोगों ने रक्तदान किया था। रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन जनमत अर्द्धसाप्ताहिक एवं गोपाल-नीना फाउंडेशन नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुशील कोइराला प्रखर कैंसर अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नीरज भट्टराई, प्रखर परोपकार मिशन नेपाल के संस्थापक अध्यक्ष किस्मत कुमार कक्षपति तथा महेन्द्र मल्ल ने रक्त संचार केंद्र खजुरा की टीम को रक्त संकलन सामग्री सौंपकर किया। जनमत के संपादक पूर्णलाल चुके ने बताया कि वर्ष 2006 से ३रक्तदान जीवनदान३ के उद्देश्य के साथ यह अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है और स्थानीय स्वयंसेवी रक्तदाताओं की मांग पर खजुरा में इस बार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नियमित रक्तदाताओं सहित कई सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। आयोजकों द्वारा प्रत्येक तीन माह में नियमित रक्तदाताओं को सम्मानित करने की परंपरा भी निभाई जा रही है। गोपाल-नीना फाउंडेशन नेपाल के जनसंपर्क अधिकारी विजयन्त जीसी के अनुसार अभियान को नेपाल स्वयंसेवी रक्तदाता समाज, विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं तथा सामाजिक संगठनों का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। फाउंडेशन पूर्व में भी शिक्षा, स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण और अन्य सामाजिक गतिविधियों का संचालन करता रहा है।

आदर्श पतंजलि स्टोर पर पुलिस का छापा, भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद

अब तक की रूपईडीहा की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की बरामदगी

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में रूपईडीहा पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप, ट्रामाडोल कैप्सूल तथा अन्य प्रतिबंधित दवाएं बरामद की हैं। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह के पर्यवेक्षण में थाना रूपईडीहा प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की।पुलिस के अनुसार 30 जून को थाना रूपईडीहा क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित एक अवैध मेडिकल स्टोर (आदर्श पतंजलि स्टोर)पर छापेमारी के दौरान आरोपी आदित्य कुमार मिश्रा पुत्र कृपाराम मिश्रा निवासी स्टेशन रोड, केवलपुर, रूपईडीहा, जनपद बहराइच को गिरफ्तार किया गया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2349 बोतल नशीली कफ सिरप (कुल वजन 2 क्विंटल 34 किलो 900 ग्राम), 12,145 ट्रामाडोल कैप्सूल तथा अन्य विभिन्न प्रकार की नशीली और प्रतिबंधित दवाएं बरामद कीं। बरामद दवाओं में नाइट्राजेपाम, अल्प्राजोलम सहित अन्य दवाएं भी शामिल हैं।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना रूपईडीहा में एनडीपीएस एक्ट तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।पुलिस के अनुसार बरामदगी में कुल आठ अदद सील बंद बोरों में रखी गई अवैध नशीली दवाएं और सिरप बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा से सटे रूपईडीहा क्षेत्र में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर बड़ी चोट मानी जा रही है।इस अभियान में प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत, उपनिरीक्षक राहुल सरोज, आरक्षी अभिषेक राय, अभिषेक सिंह, जयचंद गौड़, रविन्द्र यादव, विकास प्रजापति तथा महिला आरक्षी बैजंती राजपूत शामिल रहीं।

पर्यटकों के लिए बंद हुआ कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य

अब नवंबर में खुलेंगे जंगल के द्वार

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध वन्य संपदा के लिए प्रसिद्ध कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य मंगलवार 30 जून से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। अब प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीवों का दीदार करने के इच्छुक पर्यटकों को नवंबर तक इंतजार करना होगा। इसके बाद नए पर्यटन सत्र के साथ अभयारण्य को फिर से पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। करीब 551 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य में मोतीपुर, ककरहा, मुर्तिहा, निशानगाड़ा, धमार्पुर, सुजौली और कतर्नियाघाट सहित सात वन रेंज शामिल हैं। यह क्षेत्र बाघ, तेंदुआ, जंगली हाथी, हिरन, चीतल, पाढ़ा, जंगली सूअर, खरगोश, उड़न गिलहरी, भेड़िया और लोमड़ी जैसे वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है। वहीं जलीय जीवों में घड़ियाल, मगरमच्छ, डॉल्फिन, कछुआ सहित अनेक दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं, जो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। हर वर्ष प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश और विदेश से भी बड़ी संख्या में पर्यटक यहां प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों का दीदार करने पहुंचते हैं, जिससे सरकार को भी अच्छा राजस्व प्राप्त होता है। वन विभाग के अनुसार कतर्नियाघाट का पर्यटन सत्र प्रत्येक वर्ष नवंबर में शुरू होकर जून तक संचालित होता है। जुलाई से मानसून शुरू होने पर जंगल में कीचड़ बढ़ जाता है, पेड़-पौधों की तेजी से वृद्धि होती है और वन्यजीवों का प्रजनन काल भी शुरू हो जाता है। ऐसे में वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लगभग चार से पांच माह तक अभयारण्य को पर्यटकों के लिए बंद रखा जाता है। इस अवधि में वन विभाग अवैध कटान और वन्यजीवों के शिकार पर रोक लगाने के लिए गश्त और निगरानी भी बढ़ा देता है।प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि 30 जून से कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। नवंबर में नए पर्यटन सत्र के साथ इसे पुनः पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

रासायनिक उर्वरक का कम से कम प्रयोग करे किसानः डॉ0 कृष्ण कुमार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच।खेत बचाओ अभियान का समापन मंगलवार को हो गया अभी तक विभिन्न क्षेत्रों में कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के द्वारा किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें कम से कम उर्वरक डालकर फसलों का उत्पादन करने के साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया।ग्राम रमपुरवा विकास खंड तेजवापुर मे 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र बहराइच प्रथम के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. आर सी वर्मा के दिशानिर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम में आईसीएआर- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर से वैज्ञानिको की टीम मे मुख्य रूप से डॉ. कृष्ण कुमार प्रधान वैज्ञानिक पादप रोग विज्ञान भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर, डॉक्टर विशाल दिनकर वैज्ञानिक जेनेटिक्स एडं प्लांट ब्रीडिंग भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर ने

मुख्य अतिथि के रूप प्रतिभाग किये। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर सी वर्मा एवं साथी वैज्ञानिको तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा किया गया।

प्रधान वैज्ञानिक डाक्टर कृष्ण कुमार ने किसानो को बताया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम करे तथा वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाए। मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, संतुलित पोषक प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, उन्नत बीजों का उपयोग करे, बीज उपचार, हरी खाद, आधुनिक बुआई तकनीक और जल-संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों को भी अपनाए किसान भाई।

साथ हि प्राकृतिक खेती के बारे मे बताया कि यह एक रसायन-मुक्त कृषि पद्धति है जो प्रकृति के सिद्धांतों और स्थानीय संसाधनों पर निर्भर करती है। इसमें हानिकारक रसायनों (यूरिया, डीएपी, कीटनाशक) के बजाय देसी गाय के गोबर-मूत्र, प्राकृतिक खाद और पेड़-पौधों के अर्क का उपयोग करके मिट्टी की उर्वरता और फसल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। किसान कम से कम रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करे। डाक्टर दिनकर ने बताया कि किसान भाई फसल अवशेषो को खेत मे प्रबंधन करे जिससे खेत की की उर्वरा शक्ति बनी रहे। साथ हि दालो का महत्व व दलहनी फसलो का महत्व और खरीफ फसलो की उन्नत किस्मो के बारे मे विस्तृत रूप से जागरूक किए। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एंव अध्यक्ष डॉक्टर वर्मा ने किसानों को बताया कि किसान भाई खेती में सनई और ढैंचा का उपयोग मुख्य रूप से हरी खाद के रूप में करे। जो मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बढ़ाने और फसल उत्पादन में भारी वृद्धि करने के लिए बेहद सहायक है।बहराइच जिले की मिट्टी दलहनी फसलों के लिए बहुत उपयुक्त है। डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह, डॉक्टर अरुण कुमार राजभर, डॉक्टर नंदन सिंह, डॉक्टर प्रियंका सिंह ने किसानो को जागरूक किए। नरेंद्र पांडेय ग्रामीण विकास सर्विसेज, ओ सी पी ग्रुप से डॉक्टर देवी प्रसाद शुक्ला ने भी किसानो को खेत बचाओ अभियान के बारे मे जागरूक किए। कृषक जागरुकता कार्यक्रम में मंच संचालन प्रसार वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार राजभर ने किया। इस मौके पर काफी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कैसरगंज में बिजली विभाग का सघन वसूली अभियान

तीन लाख रुपये का राजस्व जमा, 10 बकायेदारों के कनेक्शन काटे

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। विद्युत विभाग ने बकाया बिजली बिलों की वसूली को लेकर कैसरगंज क्षेत्र में सघन संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभागीय टीम ने लगभग 3 लाख रुपये का राजस्व वसूल किया, जबकि लंबे समय से बिजली बिल जमा न करने वाले 10 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन तत्काल प्रभाव से विच्छेदित कर दिए गए। यह विशेष अभियान जेई अनिल कुमार साहनी नंदलाल कनौजिया एवं पर्यवेक्षक एसडीओ योगेन्द्र बजाज के निर्देशन में चलाया गया। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने घर-घर जाकर बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क किया और उन्हें समय से बिल जमा करने के लिए जागरूक किया। वसूली अभियान के साथ-साथ अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से विद्युत आपूर्ति एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। जिन उपभोक्ताओं ने बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराईं, उनका मौके पर ही निस्तारण कराने का प्रयास किया गया, जिससे लोगों ने विभाग की इस पहल की सराहना की। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली के साथ-साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराना भी विभाग की प्राथमिकता है। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे अपने बकाया बिजली बिल समय से जमा करें, ताकि विद्युत विच्छेदन जैसी कार्रवाई से बचा जा सके। विभाग ने यह भी कहा कि भविष्य में भी बकायेदारों के विरुद्ध इसी प्रकार के सघन अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

जनपद न्यायाधीश, डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा

बहराइच। जनपद न्यायाधीश राजेष कुमार सिंह ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक विष्वजीत श्रीवास्तव व सीजेएम नीलम सरोज द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल तथा अस्पताल वार्ड का निरीक्षण शामिल रहा। इस दौरान बंदियों की मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का विशेष रूप से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि कारागार का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा शातिर एवं संवेदनशील बंदियों पर सतत निगरानी रखी जाए। साथ ही बंदियों की गतिविधियों की समय-समय पर अद्यतन जानकारी उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से समस्त सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने तथा जेल मैनुअल के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए।

ट्रक ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

बिजली के तार में फंसी बाइक, महिला उछलकर सड़क पर गिरी; 20 दिन पहले आंधी में गिरे थे पोल

मृतका, निशा सिंह

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , एक महिला तेज रफ्तार ट्रक के नीचे आ गई। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महिला अपने दो बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रही थी। रास्ते में सड़क पर पड़ा बिजली का तार हादसे की वजह बन गया। तार की चपेट में आते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। गिरते ही महिला का धड़ सामने से आ रहे ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के समय बाइक पर महिला का 16 वर्षीय बेटा युवराज सिंह और चार वर्षीय बेटी मीनाक्षी सिंह भी मौजूद थे। दोनों बच्चे इस दुर्घटना में सुरक्षित बच गए। हादसा सुबह करीब साढ़े 10 बजे जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर दूर लालगंज थाना क्षेत्र के धुइसरनाथ रोड पर हुआ। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही ट्रक और चालक को हिरासत में ले लिया। सुबह करीब 10:30 बजे लालगंज थाना क्षेत्र के धुइसरनाथ रोड पर कटरा मातादीन निवासी राम अजोर सिंह के परिवार की बहू निशा सिंह (45) पत्नी जयप्रकाश सिंह अपनी बहन के घर लखहरा, दीवानगंज जा रही थीं। मोटरसाइकिल रिश्तेदार चला रहे थे। उनके 16 वर्षीय पुत्र युवराज सिंह जबकि चार वर्षीय बेटी मीनाक्षी सिंह भी साथ बैठी थी। रास्ते में सड़क पर बिजली का तार पड़ा हुआ था। अचानक बाइक तार की चपेट में आ गई और अनियंत्रित होकर गिर गई। गिरते ही निशा सिंह सामने से आ रहे ट्रक के पहिए के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

संक्षेप

युवती लापता, परिजनों ने थाने का घेराव किया

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, जल्द बरामदगी और कार्रवाई की मांग

बागपत , सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र से 16 जून से लापता एक युवती की बरामदगी को लेकर रविवार को परिजनों और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए युवती की जल्द बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र की एक युवती 16 जून से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने युवती के गायब होने के बाद पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। इसी बात से नाराज परिजन और हिंदू संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सिंघावली अहीर थाना पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और अपनी नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि युवती को लापता हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस उसे अभी तक बरामद नहीं कर सकी है। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हंगामे की सूचना पर थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और उनसे बातचीत की। काफी देर तक चली वार्ता के बाद थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि पुलिस युवती की तलाश में लगातार प्रयास कर रही है और मामले में एक विशेष टीम भी काम कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि 2 जुलाई तक मामले में ठोस कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए और अपना धरना समाप्त कर दिया। पुलिस फिलहाल युवती की तलाश और मामले की जांच में जुटी हुई है।

आर्मी जवान की बारात को पत्नी ने रोका

हाईकोर्ट के निर्देश को दरकिनार करके रचा रहा था दूसरी शादी, फैमिली कोर्ट से मिला था तलाक

बागपत के बिनौली थाना क्षेत्र में बारात से कुछ घंटों पहले दूसरी शादी करने जा रहे सेना के जवान की पत्नी ने ससुराल पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। पत्नी का आरोप है कि उसका पति से तलाक नहीं हुआ है। ऐसे में हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वह दूसरी शादी नहीं कर सकते। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में करीब 4 घंटे कहासुनी हुई। लांस नायक की पहली पत्नी ने घर आकर शादी की फोटो-वीडियो और इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश दिखाते हुए जमकर बवाल काटा। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हुई और तोड़फोड़ भी की गई। विवाद बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराने की कोशिश की। लेकिन कोई सुनने को राजी नहीं था। ऐसे में पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर चली गई। थाने में दोनों पक्षों के बीच मामला शांत कराने का कावायद जारी है। बिनौली थानाक्षेत्र के शाहपुर बाणगंगा गांव के रहनेवाले अक्षय(30) पुत्र राजेश इंडियन आर्मी में लांस नायक के पद पर तैनात हैं। अक्षय की शादी 4 जून 2019 को उत्तराखंड के रुड़की की रहनेवाली स्वीटी (26)से हुई थी। दोनों में आपसी विवाद के बाद अक्षय ने स्वीटी से तलाक की अर्जी दायर की थी ।जिसके बाद मेरठ फैमिली कोर्ट ने 20 जनवरी 2026 को पति के पक्ष में तलाक की डिक्री पारित कर दी थी।

क्षेत्र में चोरों का आतंक फिर हुई चोरी

क्षेत्र में वारदात की नहीं हो पा रही रोकथाम प्रशासन का छूटा पसीना

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिगत दो महीने से चोरों का आतंक चरम सीमा पर पहुंच चुका है क्षेत्र के दर्जनों गांव में अज्ञात चोरों ने वारदात करते हुए लगभग करोड़ों रुपए की चपत लगाई जहां प्रशासन अभी तक एक भी घटना का खुलासा करने में नाकाम रहा हौसले बुलंद करते हुए चोरों ने थाना क्षेत्र के पाराधनई गांव निवासी सुखराम सिंह भदोरिया के मकान में देर रात धाबा बोला पीड़ित ने नजदीकी थाना चांदपुर में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि अज्ञात चोरों ने मकान के दरवाजे की कुंडी काटकर घर में प्रवेश किया तथा अलमारी में रखें सोने चांदी के आभूषण समेत लगभग 10000 नगद पार कर दिए पीड़ित ने बताया की अलमारी में सोने के झाला सोने की लॉकेट अंगूठियां सोने की कील दो जोड़ी चांदी की पायल तोड़िया समेत लगभग तीन लाख से अधिक के आभूषण मौजूद थे पीड़ित अपने दोनों बच्चों समेत पत्नी के साथ छत में सो रहा था सुबह उठकर देखा तो घर में सारा सामान बिखरा हुआ था यह देख घर में हड़कंप मच गया तथा पुलिस प्रशासन को सूचना दी थी पीड़ित ने बताया कि बीते दो वर्ष पहले भी घर में एक बड़ी चोरी को अंजाम कर दे चुके हैं पीढ़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर चांदपुर थाना प्रभारी ने खोजबीन प्रारंभ की क्षेत्र में चोरों के आतंक से पूरा क्षेत्र सहमा हुआ है परंतु एक भी चोरी का खुलासा प्रशासन अभी तक नहीं कर पाया

घर के बाहर से पल्सर गाड़ी हुई गायब अज्ञात चोरों की खोजबीन जारी

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे के चौक मोचियाना मोहल्ला निवासी अंशू कौशल के मकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल दो चोरों ने मिलकर फरार कर दी यह घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई पीड़ित अंशू कौशल ने नजदीकी थाना जहानाबाद में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि उसकी पल्सर मोटरसाइकिल जो चचेरे भाई के नाम रजिस्टर्ड है उसे चोरों ने बिगत रात्रि दरवाजे से फरार कर दिया पीड़ित ने काफी खोजबीन की परंतु पता नहीं चला जिसके लिए पीड़ित ने नजदीकी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया मुकदमा दर्ज करते हुए थाना प्रभारी मनीष कुमार ने घटना की जांच प्रारंभ की की आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने पर कुछ तस्वीरें सामने आई है जहां अज्ञात चोरों की तलाश जारी है थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही इस चोरी की घटना का अनावरण करने का पूर्ण प्रयास किया जा रहा है

नगर पालिका द्वारा चलाया गया अतिक्रमण कारियों पर चाबुक

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी नगर पालिका द्वारा कस्बे में अवैध अतिक्रमण पर अंकुश लगाने हेतु मुहिम चलाई गई कस्बे में फैली अराजकता को देखते हुए शिकायतों के आधार पर नायब तहसीलदार रचना यादव अधिशासी अभियंता चंद्र कृष्ण पांडे लेखपाल अजीत उमराव समेत पूरी टीम कस्बे के बजरिया ठठराही मोड मोहल्ले के समीप फैले अतिक्रमण को हटाने पहुंची पुलिस बल के साथ मौजूद अधिकारी कर्मचारियों ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटवाया वही यह अभियान अन्य कई स्थानों समेत छिपेहटी मोहल्ला मोड पर भी चलाया गया कई बार दुकानदारों को आदेशित किया गया परंतु अतिक्रमण समाप्त नहीं हुआ जिसे लेकर विभाग ने कार्रवाई की तथा बुलडोजर द्वारा अवैध अतिक्रमण की तोड़फोड़ की गई वहीं विभागीय अधिकारियों ने अतिक्रमण कारियों को निर्देशित करते हुए बताया कि अब दोबारा किसी भी प्रकार का आक्रमण यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा किया गया तो उस पर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए जुमार्ना भी किया जा सकता है इस मौके पर उच्च अधिकारियों के साथ जल निगम अभियंता योगेश गुप्ता अवर अभियंता आराधना पटेल प्रधान लिपिक मनोज कुमार शुक्ला समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा

शिक्षा बनी खिलवाड़ नदारत मिले सरकारी वेतन भोगी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जहां वर्तमान सरकार सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़े सब बढ़े का नारा दे रही है वहीं दूसरी तरफ सरकार की ही छत्रछाया में पल रहे लापरवाह शिक्षक सत्ता पक्ष का फायदा उठाकर नौनिहाल बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में आमादा है ताजा मामला जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मठ का सामने आया जहां मीडिया टीम के पहुंचने पर विद्यालय में मात्र केवल एक शिक्षामित्र पांच बच्चों को शिक्षा ग्रहण कराते मिला मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय में प्रधानाध्यापिका दीप्ती अग्निहोत्री सहायक अध्यापिका ज्योती वर्मा समेत शिक्षा मित्र अशोक कुमार की नियुक्ति है जहां जानकारी लेने पर मौके पर मौजूद शिक्षामित्र ने बताया कि दोनों अध्यापिका आज किसी कारणवश विद्यालय नहीं आई जबकि इसकी सूचना शिक्षा मित्र को नहीं है विद्यालय की रूपरेखा साज सज्जा साफ-सफाई तथा शौचालय की दुर्दशा दयनीय दिखाई पड़ी वही इस बारे में खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ला से बात की गई जहां उन्होंने बताया कि शिक्षकों के अवकाश की कोई सूचना उनके पास भी नहीं है जल्द ही विद्यालय पहुंचकर इस विषय पर जांच की जाएगी तथा बिना सूचना दिए नदारत शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी

विधानसभा स्तर पर संपन्न हुए बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

संगठन को मजबूत बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने दिया जोर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चुनावी रणनीति को देखते हुए प्रत्येक बूथ स्तर को मजबूत बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने जगह-जगह बूथ अध्यक्ष सम्मेलन प्रारंभ किया जनपद के जहानाबाद विधानसभा अंतर्गत विधायक राजेंद्र सिंह पटेल की अगुवाई में कस्बे के एक गेस्ट हाउस में कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पहुंचे क्षेत्रीय विधायक ने बूथ अध्यक्षों को पार्टी की आधारभूत शिला बताया वही अपने संबोधन में सभी कार्यकताओं को सक्रिय होने का संदेश देते हुए मतदाताओं को जोड़ने तथा सरकार द्वारा चलाई गई सभी योजनाओं के बारे में जानकारियां देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की अपील की ठीक इसी प्रकार अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र के गाजीपुर रोड में स्थापित साईं वाटिका गेस्ट हाउस में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पहुंचे क्षेत्रीय विधायक विकास गुप्ता ने मंच पर विराजमान सभी पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया वही कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी आदि की प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ किया गया विधायक विकास गुप्ता ने मंच में अपने संबोधन से बताया कि हमें प्रत्येक बूथ को मजबूत करना अनिवार्य है जिसकी मजबूती के लिए पार्टी के उच्च स्तर के कार्यकताओं से लेकर बूथ प्रमुखों का महत्वपूर्ण योगदान होगा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को जनसंपर्क करने की अपील की गई इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता तथा क्षेत्रीय गणमान्य भारी संख्या में मौजूद रहे

सपा समीक्षा बैठक में हंगामा, सेक्टर प्रभारी ने बदसलूकी की

मंच पर जगह नहीं मिली तो भड़के सपा सेक्टर प्रभारी, गाली-गलौज से बिगड़ा माहौल

अमन लेखनी समाचार

मवाना ,समाजवादी पार्टी की हस्तिनापुर विधानसभा समीक्षा बैठक एवं पीडीए चर्चा कार्यक्रम रविवार को विवादों में घिर गया। मधुबन बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर जगह न मिलने और संबोधन का अवसर नहीं दिए जाने से नाराज एक सेक्टर प्रभारी ने जमकर हंगामा किया। महिला पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकताओं की मौजूदगी में हुई गाली-गलौज से कुछ समय के लिए कार्यक्रम का माहौल तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार, समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। मंच पर सीमित स्थान होने के कारण कुछ पदाधिकारियों को नीचे बैठाया गया था। इसी दौरान सेक्टर प्रभारी सतपाल यादव का नाम वक्ताओं की सूची में नहीं पुकारा गया, जिससे वे नाराज हो गए प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सतपाल यादव मंच के सामने पहुंच गए और अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणी करने लगे। इस दौरान उन्होंने अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया। अचानक हुए घटनाक्रम से कार्यक्रम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए मंच संचालन बाधित हो गया। स्थिति बिगड़ती देख वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप किया और नाराज कार्यकर्ता को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद मामला शांत हुआ, जिसके बाद कार्यक्रम को दोबारा शुरू कराया गया।

कॉलोनाइजर से ढाई करोड़ की रंगदारी मांगी

मांगने के आरोप में एक गिरफ्तार, दो फरार

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर पुलिस ने एक कॉलोनाइजर से ढाई करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी की गई। इस मामले में अभी दो अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं ।मेरठ की अक्षरधाम कॉलोनी निवासी मुकेश गांव रोरी में एक कॉलोनी विकसित कर रहे हैं। उनकी कॉलोनी का रास्ता मंगल विहार कॉलोनी से होकर निकलता है। मंगल विहार कॉलोनी के निवासियों ने रास्ता रोकने को लेकर कई महीनों तक आंदोलन चलाया था। मुकेश ने आरोप लगाया कि मंगल विहार कॉलोनी के तीन निवासियों ने रास्ता देने के नाम पर उनसे ढाई करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी और एक लाख रुपये पहले ही ले लिए थे। मुकेश ने तीनों आरोपियों द्वारा रंगदारी मांगने की बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी ।पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस कमिश्नर ने मोदीनगर थाना प्रभारी को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि रंगदारी मांगने के इस मामले में मंगल विहार कॉलोनी निवासी प्रवीण पुनिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश में दठिप हुई बिजली सुबह 10 बजे तक भी आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी, जिससे हजारों लोग पूरी रात अंधेरे और गर्मी में तड़पते रहे। बिजली न होने से पेयजल संकट भी गहरा गया और लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान नजर आए। रातभर बिजली का इंतजार कर रहे लोगों ने कई बार संबंधित बिजलीघर और एसडीओ को फोन मिलाए, लेकिन आरोप है कि अधिकारियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए। शिकायत सुनने वाला कोई नहीं मिला, जिससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सबसे ज्यादा आक्रोश गुरु नानक नगर के लोगों में देखने को मिला। देर रात बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और युवक रामलीला मैदान स्थित बिजलीघर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए।

त्यागी जनजागरण आंदोलन का ऐलान

अध्यक्ष बोले- सम्मान नहीं मिला तो पूरे प्रदेश में महापंचायत, 2027 चुनाव में करेंगे फैसला

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समाज समिति के अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने भाजपा पर त्यागी समाज की राजनीतिक अनादर का आरोप लगाते हुए मेरठ से जनजागरण अभियान और आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। आयोजित वार्ता में उन्होंने कहा कि यदि समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो पूरे उत्तर प्रदेश में महापंचायतें आयोजित की जाएंगी और 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा फैसला लिया जाएगा। मांगेराम त्यागी ने कहा कि मेरठ-सहारनपुर क्षेत्र में त्यागी समाज की अच्छी संख्या है और प्रदेश के कई जिलों में समाज भाजपा का मजबूत समर्थक रहा है। इसके बावजूद मौजूदा सरकार और संगठन में समाज की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस, सपा, बसपा और भाजपा सरकारों में भी त्यागी समाज को मंत्री और संगठन में प्रतिनिधित्व मिलता था, लेकिन अब यह लगातार कम होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में घोषित भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी में भी त्यागी समाज की अनदेखी हुई है। केवल बसंत त्यागी को संगठन में दोबारा मंत्री बनाया गया, जबकि अन्य कार्यकताओं को कोई अहम जिम्मेदारी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल, सांसद, विधायक, एमएलसी और संगठन में भी समाज का प्रतिनिधित्व लगातार घटा है। मांगेराम त्यागी ने कहा कि यदि जल्द स्थिति नहीं बदली तो पूरे प्रदेश में वाताएं और जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़ी महापंचायत होगी, जिसमें लाखों लोगों के जुटने का दावा किया गया है। इसी महापंचायत में आने वाले चुनावों को लेकर रणनीति और समर्थन का निर्णय लिया जाएगा ।उन्होंने कहा कि समाज किसी एक दल का बंधुआ वोट नहीं है। जो राजनीतिक दल सम्मान और भागीदारी देगा, समाज उसका समर्थन करेगा। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर त्यागी समाज चुनाव परिणाम प्रभावित करने की स्थिति में है। स्टेरॉयड, भ्रष्टाचार और खेल जैसे अन्य मुद्दों से अलग उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि थानों में आम लोगों की सुनवाई नहीं हो रही और किसान, व्यापारी तथा मजदूर सभी वर्ग परेशान हैं। मांगेराम त्यागी ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज को उसका राजनीतिक सम्मान दिलाने के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में विस्तार दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में करंट से महिला की मौत

झाड़ू लगाते समय कूलर से चिपकी, अस्पताल में तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

जेवर,ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में कूलर से करंट लगने के कारण एक महिला की मौत हो गई। हादसा सुबह उस समय हुआ, जब वह घर में झाड़ू लगा रही थीं। करंट लगने के बाद गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान पीपलका गांव निवासी 46 वर्षीय पिंकी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 11 बजे की है ।झाड़ू लगाते समय हुआ हादस परिजनों के अनुसार, पिंकी घर के एक कमरे में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान उनका हाथ चल रहे कूलर से छू गया। बताया जा रहा है कि कूलर में करंट उतर रहा था, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। हादसे के तुरंत बाद परिजन उन्हें दनकौर स्थित निम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। एक साल पहले हुई थी पति की मौतग्रामीणों ने बताया कि पिंकी के पति का निधन करीब एक वर्ष पहले हो गया था। पति की मौत के बाद वह परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। उनकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

ग्रेटर नोएडा की फल मंडी में लाठी-डंडे चले

कई लोग घायल, 4 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र में सुबह अवैध रूप से लगने वाली फल मंडी में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने घटना का वीडियो सामने आने के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मारपीट के दौरान सड़क पर आवागमन बाधित हो गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फल खरीदने को लेकर शुरू हुआ विवादजानकारी के अनुसार, मिहिर भोज इंटर कॉलेज के पास लगने वाली मंडी में आढ़ती नसीर और फुटकर फल विक्रेता सफीक के बीच फल खरीद-बिक्री को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते कहासुनी गाली-गलौज में बदल गई। इसके बाद दोनों पक्षों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। मारपीट में नसीर, सफीक और आसिफ समेत कई लोग घायल हो गए ।दादरी पुलिस ने बताया कि फल विक्रेताओं के बीच हुए विवाद के बाद मारपीट हुई थी। घटना का वीडियो सामने आने पर पुलिस ने जांच करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एडा में निवेश के नाम पर 42 लाख ठगे

वाट्सऐप ग्रुप से जोड़ा, पहले मुनाफा दिखाया, पैसे निकालने को कहने पर संपर्क तोड़ा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,ऑनलाइन ट्रेडिंग कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग महिला के साथ 42 लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर अपराधियों ने पहले महिला को वाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा, फिर शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर कई किश्तों में उनके बैंक खाते से रमक अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। रकम वापस न मिलने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ। साइबर सेल ने मुकदमा दर्ज कर लिया है ।पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-92 निवासी 67 साल के बिंदू शर्मा ने बताया कि इसी साल उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से वाट्सऐप संदेश आया। शुरूआत में सामान्य बातचीत की गई और शेयर बाजार व ऑनलाइन ट्रेडिंग से कम समय में अधिक मुनाफा कमाने की जानकारी दी गई। करीब दो दिन तक विश्वास जीतने के बाद महिला को एक ग्रुप में जोड़ दिया गया।

ग्रुप में शेयर किए स्क्रीन शॉट

ग्रुप में कई लोग खुद को सफल निवेशक बताकर बड़े मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा करते थे। इसके अलावा कथित विशेषज्ञ निवेश के टिप्स देते थे, जिससे महिला को लगा कि वह किसी भरोसेमंद निवेश मंच से जुड़ी हैं। ठगों ने महिला को एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर खाता खोलने और अलग-अलग बैंक खातों में निवेश की रकम जमा करने के लिए कहा।

कई बार में ट्रांसफर किए पैसे

शुरूआती निवेश पर ऐप में अच्छा मुनाफा दिखाया गया, जिससे महिला का भरोसा और बढ़ गया। इसके बाद उन्हें अधिक लाभ का लालच देकर लगातार बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस मुठभेड़ में घायल पशु तस्कर एवं गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के कुशल मार्गदर्शन में थाना पन्नूगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित एवं वर्ष 2025 की पुलिस मुठभेड़ में घायल पशु तस्कर को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। थाना पन्नूगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-101/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम में वांछित अभियुक्त संजय कुमार उर्फ संजय दीवाना पुत्र रामकुवर निवासी ग्राम सरईगढ़ टोला खदरा, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 35 वर्ष, को दिनांक 28.06.2026 को मुखबिर की सूचना पर पकरहट नहर पुलिया थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र के पास से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त दिनांक 13.05.2026 से गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में फरार एवं वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना पन्नूगंज एवं थाना मांची की संयुक्त पुलिस टीमों का गठन किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त वर्ष 2025 में पशु तस्करी के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी की विकासवादी सोच से बदल रही सोनभद्र की तस्वीर

4500 से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से मिला रोजगार

एसीसी सीमेंट के आधुनिक प्लांट से भी जल्द शुरू होगा उत्पादन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासवादी सोच से पिछड़े जिलों में शुमार सोनभद्र में औद्योगिक विकास अब रफ्तार पकड़ने लगा है। पारदर्शी प्रक्रिया के चलते जनपद में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से निवेश करने वाली 54 कंपनियों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इन 54 कंपनियों ने 5609 करोड़ रुपये की लागत से जनपद के विभिन्न स्थानों में ईकाइयां स्थापित की हैं, जहां पर 4500 से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होने के साथ ही लगभग 10 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। यह औद्योगिक विकास युवाओं के पलायन को रोकने में सहायक होने के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सोनभद्र को भी मजबूत स्थान प्रदान करेगा जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद में औद्योगिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से जनपद में निवेश के लिए प्राप्त हुए प्रस्तावों में 132110.29 करोड़ रुपये के 67 प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए चिन्हित किया गया था। जिनमें से 54 ईकाइयों ने कार्य भी शुरू कर दिया है, जिससे 4585 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जबकि एक अनुमान के मुताबिक 10 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार की प्राप्ति हुई है। उन्होंने बताया कि 19 औद्योगिक ईकाइयां अभी निर्माण की अवस्था में हैं, जिनके जल्द संचालन को लेकर तेजी से कार्य किया जा रहा है। बताया कि अडानी समूह के स्वामित्व वाली एसीसी सीमेंट के प्लांट से भी पूर्ण क्षमता से जल्द उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह परियोजना सोनभद्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इससे भारी मात्रा में युवाओं को रोजागार प्राप्त होगा।

युद्ध स्तर पर किया जा रहा निवेशकों की समस्या का निस्तारण

जिलाधिकारी ने बताया कि औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए प्रशासन द्वारा निवेशकों की समस्या का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे जल्द से जल्द सभी औद्योगिक ईकाइयों से उत्पादन शुरू हो ताकि जनपदवासियों का तेजी से विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि सलई बनवा में एसीसी सीमेंट के प्लांट से जल्द पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन शुरू होगा तथा 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एनटीपीसी के सोलर प्रोजेक्ट से भी उत्पादन की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके साथ ही ज्वालामुखी इंटरप्राइजेज का प्रोजेक्ट भी जल्द ही शुरू होने वाला है।

खास समाचार

कुरुक्षेत्र में 2 जुलाई को सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन

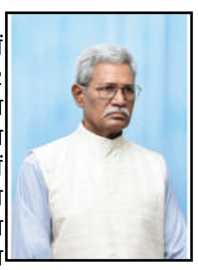

कुरुक्षेत्र। सतगुरु श्री कबीर साहेब जी के 629वें राज्य स्तरीय पावन प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में 2 जुलाई 2026 को कुरुक्षेत्र में सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सायं 3 बजे गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र के सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए जय नारायण खटक प्रधान ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज में भाईचारे, समानता और समरसता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं प्रबुद्ध वर्गों के लोग भाग लेंगे और संत कबीर साहेब के विचारों पर चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने सभी समाजों, संस्थाओं एवं नागरिकों से सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के आयोजन में जय नारायण खटक प्रधान श्री कबीर धाणक धापक समाज धर्मशाला सभा (रजि.) एवं विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रहेगा।

माह जुलाई,2026 की सिंचाई बन्धु की बैठक 14 जुलाई को

कृषकों की समस्याओं के गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण हेतु जन प्रतिनिधिगण एवं सम्बन्धित अधिकारीगण की उपस्थिति प्रार्थनीय।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अधिशासी अभियन्ता एवं सचिव सिंचाई बन्धु सोनभद्र ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र की सिंचाई बन्धु की बैठक प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित की जाती है। माह जुलाई 2026 की सिंचाई बन्धु की बैठक 14 जुलाई,2026 को चौधरी चरण सिंह निरीक्षण गृह बढ़ौली राबट्र्सगंज में पूर्वान्ह 11.00 बजे से 02.00 बजे तक लाल बहादुर पाण्डेय उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि कृषकों की समस्याओं के गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण हेतु जन प्रतिनिधिगण एवं सम्बन्धित अधिकारीगण की उपस्थिति प्रार्थनीय है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारीगण को 09 जून 2026 को आयोजित बैठक में प्राप्त हुई समस्याओं का निस्तारण आख्या 7 दिवस में उपलब्ध कराने को कहा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर त्रुटिपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी म्योरपुर संबद्ध

सरप्लस शिक्षकों के पुनः स्थापन की सूचना में लापरवाही पर मांगा गया स्पष्टीकरण

खण्ड शिक्षा अधिकारी बभनी को सौंपा गया म्योरपुर का अतिरिक्त प्रभार।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के अनुपालन में परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत सरप्लस शिक्षकों के पुनःस्थापन हेतु चिन्हित शिक्षकों की सूचना का परीक्षण जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया। परीक्षण के दौरान विकास खण्ड म्योरपुर से उपलब्ध कराई गई सूचना त्रुटिपूर्ण पाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित सूचना कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा तैयार की गई थी तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी, म्योरपुर द्वारा उसका समुचित परीक्षण किए बिना जनपदीय समिति के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया। इस लापरवाही के कारण शासन को निर्धारित समयावधि में सही सूचना प्रेषित नहीं की जा सकी तथा उच्चाधिकारियों के समक्ष असहज स्थिति उत्पन्न हुई। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी म्योरपुर, सुनील कुमार को तत्काल प्रभाव से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

भामाशाह जयंती पर कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ भव्य आयोजन

जनपद के 10 सर्वाधिक करदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और दानवीरता आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत– सदर विधायक भूपेश चौबे।

ईमानदार करदाता राष्ट्र और जनपद के विकास की मजबूत आधारशिला– जिलाधिकारी चर्चित गौड़।

भाजपा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों ने भामाशाह के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में आज वीर शिरोमणि दानवीर भामाशाह जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद, सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं व्यापारी बंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद के सर्वाधिक कर (टैक्स) जमा करने वाले 10 प्रतिष्ठित व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ईमानदारी से कर अदा करने वाले व्यापारी राष्ट्र एवं जनपद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सदर विधायक श्री भूपेश चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और समर्पण भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने अपना सर्वस्व महाराणा प्रताप और राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि भामाशाह का जीवन सेवा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित का प्रतीक है। उन्होंने सम्मानित करदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि करदाताओं के योगदान से ही विकास कार्यों को गति मिलती है और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो पाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने भामाशाह के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया, जबकि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद ने उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नंदी पर सवार हो कर शंकर चले पार्वती को बिहाने : राजेंद्र पराशर

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। श्री स्थाणु सेवा मंडल के सहयोग से महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे आयोजित कथा आज सातवे दिन बड़ी संख्या मे पहुंच कर कथा सुनी व्यास पीठ से कथा वाचक पंडित राजेंदर पराशर ने आज के प्रसंग मे बताया हिमाचल पुत्री के कठिन यज्ञ को देख कर शंकर भोले माँ पार्वती की परीक्षा लेने एक वृद्ध ब्राह्मण का रूप बना कर वहां पहुंचे जँहा पार्वती कठिन तप कर रही थी ! शंकर ने पूछा हे देवी तुम कौन हो और तुम्हारा मनोरथ क्या है तब पार्वती ने बताया मै हिमाचल पुत्री हूँ पहले मै सती नाम से दक्ष के घर उत्पन्न हुई थी परन्तु मेरे पिता ने मेरे पति शिव की निंदा की थी ईस लिए मैंने अग्नि मै प्रवेश कर शरीर त्याग दिया था ! ईस जन्म मे मै शिव को पा लेती परन्तु कामदेव के कारण शिव कठिन तप करने कैलाश पर चले गये है और वें कब लौटेंने पता नहीं ! ईस लिए मे आज अपना शरीर त्याग रही हूँ कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे एडवोकेट यशपाल गुप्ता, डाक्टर सुरेंदर मेहता, रेनू खुंगर, डॉ ममता सूद, रविंदर सांगवान, चरणजीत गाबा, उपस्थित रहे व्यास पीठ ने सभी अतिथियों का पटका पहना कर सम्मान किया ! कथा के उपरांत सोहन लाल सैनी के परिवार की तरफ से श्रद्धांलुओं को प्रशाद वितरित किया गया ! ईस अवसर पर सतीश शर्मा, दर्शन पाहवा, सुनील सचदेवा, गोपाल कृष्ण शर्मा, दलीप सिंह, अशोक आश्री, नारायण, सोहन लाल सैनी, सुरेंदर हमबीरिया, दीवान अरोड़ा, रमेश सचदेवा, नानक चंद गल्होत्रा, कर्म चंद, प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे !

चार दोषियों को 3-3 वर्ष की कैद

दो दोषियों पर 16–16 हजार रुपए अर्थदंड, जबकि दो पर 21–21 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 3– 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

जेल में बिताई अवधि सजा में होगी समाहित।

साढ़े 10 वर्ष पूर्व पिता को पकड़ कर जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए 80 हजार रुपये फिरौती मांगने का मामला।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। साढ़े 10 वर्ष पूर्व पिता को पकड़ कर जाति सूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित कर 80 हजार रुपये फिरौती मांगने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र गोविंद मोहन की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए चार दोषियों को दोषसिद्ध पाकर 3- 3 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। वहीं दो दोषियों पर 16-16 हजार रुपए अर्थदंड , जबकि दो पर 21-21 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड न देने पर 3- 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के आशाताली गांव निवासी दिनेश कुमार पुत्र प्रेम ने 13 नवंबर 2015 को शाहगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति का व्यक्ति है। उसके पिताजी जमीन क्रय विक्रय का कार्य करते हैं। 11 नवंबर 2015 को शाम 8 बजे उसके पिताजी यह कहकर आवश्यक कार्य से बाहर जाने को कहकर निकले थे कि एक दिन बाद लौटेंगे। उसके पिताजी प्रायः जमीन खरीद विक्रय के वास्ते अचानक आते जाते हैं। 12 नवंबर 2015 को बाला उर्फ शंकर सरन पुत्र रामनाथ हरिजन निवासी टेढ़ी, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र ने किसी दूसरे की मोबाइल से फोन करके बताया कि तुम्हारे पिताजी शक्तेशगढ़ मिजार्पुर में रुके हैं। उसने दो मोबाइल का नम्बर दिया और कहा कि इस नम्बर पर बात कर लो नहीं तो लोग तुम्हारे पिता को जान से मार देंगे। इस बात को सुनकर वह घबड़ा गया और अपने चाचा से सारी बात बताया तो चाचा ने फोन किया तो उन लोगों ने जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए कहा कि 80 हजार रुपये पहुंचा दो बहुत जमीन में दलाली का पैसा कमाया है, अन्यथा जान से मार देंगे। तुम्हारे पिता को बदमाशों ने पकड़ा है। इसमें बाला भी उनसे मिला है। इस तहरीर पर पुलिस ने एफ आई आर दर्ज कर मामले की विवेचना की। विवेचना के दौरान बाला के अलावा तीन अन्य लोगों का नाम प्रकाश में आया, जिनमे जोखन हरिजन पुत्र जग्गू हरिजन निवासी ग्राम टेढ़ा, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र, धर्मेंद्र पटेल पुत्र हरिशंकर पटेल निवासी खैरटिया, थाना चुनार, जिला मिजार्पुर व दिलीप कुमार पटेल पुत्र आशिक राम पटेल निवासी तेंदुआ, थाना चुनार, जिला मिजार्पुर शामिल हैं। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर चारों दोषियों बाला उर्फ शंकर सरन, जोखन हरिजन, धर्मेंद्र पटेल तथा दिलीप कुमार पटेल को दोषसिद्ध पाकर 3-3 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। बाला व जोखन पर 16-16 हजार रुपए अर्थदंड व धर्मेंद्र पटेल तथा दिलीप कुमार पटेल पर 21-21 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। वहीं अर्थदंड न देने पर 3- 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

कबीर जयंती की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। साहित्यिक सामाजिक संस्था सोन संगम शक्तिनगर की ओर से कबीर जयंती की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, जयंत से पधारे ,जाने माने कवि पंडित रामखेलावन मिश्र जी रहे ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रशेखर जोशी ने किया ।अतिथियों का स्वागत करते हुए सोन संगम के कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार दुबे ने कहा कि आज के इस दौर में कबीर प्रासंगिक है ।इस हाई टेक के समय में कबीर की हिंदवी ही दमदार बनी हुई है ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चंद्रशेखर जोशी ने कहा कि,पूरे मध्यकाल में कबीर जैसा मानवतावादी कवि कोई नहीं दिखाई देता है ।कबीर समाज की चिंता करते थे ।उनका समाज दबे कुचले निरीह कमजोर सताए लोगो का था ।संगोष्ठी के मुख्य वक्ता गोपाल तिवारी प्रभारी विद्या भारती काशी संभाग ने कहा कि,कबीर अपने युग के सबसे प्रभावशाली एवं स्पष्टवादी कवि थे ।कबीर को अपनी भाषा पर जबरदस्त अधिकार था ।कबीर का संपूर्ण जीवन समाज से बुराइयों का शमन करने तथा मानवीय मूल्यों को स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। दूसरे वक्ता के रूप में सेंट जोसेफ स्कूल शक्ति नगर के प्राध्यापक भौतिकी शास्त्र,विमल शर्मा जी ने कबीर दास के दोहों के माध्यम से दया,प्रेम करुणा मानवता का उदाहरण देते हुए कहा कि कबीर दास अपने युग के महा मानव थे। डॉ मानिक चंद पांडेय ने कहा कि,कबीर स्वभाव से फक्कड़ थे ।भारतीय मनीषा में उनके निर्गुण, उलटबसिया और रहस्यवाद की कोई शानी नहीं है ।काव्य संध्या की शुरूआत जाने माने कवि गीतकार ,रमाकांत पांडेय जी ने कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया गर्मी के दिनवा में चु वई पसीनवा

कतहु न मिले आराम।
ए गोइया ए गोईया
बड़ा तेज लागत बा घाम।

सोनभद्र के जाने माने वयो वृद्ध कवि कृपाशंकर उर्फ माहिर मिजार्पुरी ने, आज की व्यवस्था पर व्यंग्य करते हुए कहा कि आओ हम तुम बाट के खाए।

आजादी का जश्न मनाये।
भाग्य से अवसर हाथ लगा है। इस अवसर का लाभ उठाये।

मुख्य अतिथि राम खेलावन मिश्र ने अपनी बघेली कविता कुछ इस प्रकार सस्वर प्रस्तुत किया

आये आजु मोर भइया,
खुशी छाई घर अग्नयाँ ।

बहुत दिन न मा भईया आए, मैके का सब हाल बताए, माई बाबू केर याद सताये समसामयिक बिहार के भरत तिवारी की घटना को केंद्र में रखकर गोपाल तिवारी ने अपनी पंक्तियां इस अंदाज में पेश किया

गोली मारल सहज रहे,

ई आगी बुता वल महंग पड़ी भौरी भाती भूलवाले रहला, अब भुलावल मह ग पड़ी जाने माने शायर बहर बनारसी ने अपनी पंक्तियां कुछ इस प्रकार पेश किया कि धरती लहू लुहान है अंबर लहू लहू मैदा ए कर्बला का है मंजर लहू लहू बैढ़न से आए कवि श्री कमल शुक्ल अज्ञान अपनी कविता से उपस्थित लोगों को सोचने पर विवश कर दिया कि लोगो को रोना भी आता है रुलाना भी आता है हँसता अब कौन हँसाने कौन आता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ मानिक चंद पांडेय तथा धन्यवाद ज्ञापन हरिशंकर गुप्ता ने किया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल

क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा ने ̄पुलिस की पाठशाला ̄ के माध्यम से नर्सिंग छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध एवं यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 29.06.2026 को कीर्तिपाली इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, रॉबट्र्सगंज में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में यातायात प्रभारी, महिला थाना प्रभारी रॉबट्र्सगंज तथा साइबर थाना की टीम द्वारा नर्सिंग छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनों, आत्मरक्षा के उपायों, गुड टच-बैड टच, महिला उत्पीड़न की स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने के उपायों तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी, ओटीपी एवं बैंकिंग विवरण किसी से साझा न करने के संबंध में विस्तार से जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के महत्व, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के समन्वय पर जोर

अधिक प्रभावित गांवों में चलेगा विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान रू जिलाधिकारी।

मानसून के दौरान सतर्कता बरतने एवं अभियान की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के द्वितीय चरण के सफल संचालन के संबंध में जनपद स्तरीय अंतरविभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, ग्राम विकास, नगर निकाय, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, बाल विकास, खाद्य सुरक्षा, उद्यान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान अभियान की तैयारियों, विभागीय समन्वय, माइक्रोप्लान तथा जनजागरूकता गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून के मौसम में संचारी एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन गांवों में संचारी रोगों का प्रभाव अधिक है, उन्हें चिन्हित कर वहां विशेष स्वच्छता अभियान, जल निकासी, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव तथा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

पचास-पचपन की उम्र हुई नहीं कि हमें यह लगने लगता है, अब कुछ नया करने की उम्र गई। यह सोचना गलत है, उम्र के किसी पड़ाव पर आप कुछ ऐसा कर सकती हैं, जो आपको नई पहचान दे। अपने आस-पास ऐसे कई उदाहरण भी मिल जाएंगे, जब महिलाओं ने बड़ी उम्र में कुछ अनोखा करके अपनी नई पहचान के लिए उड़ानें भरी हैं।

हर उम्र में संभव है नई पहचान की उड़ान

कवर स्टोरी

स्नेहा सिंह

अब उम्र हो रही है, इस उम्र में क्या कुछ नया करूंगी।' पचास-पचपन की उम्र की महिलाओं को यह कहते हुए हम अकसर सुनते हैं। हमारे समाज में लंबे समय तक महिलाओं को कुछ निश्चित भूमिकाओं में बांधकर देखा जाता है- बेटी, पत्नी, बहू और मां की भूमिका में। इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते ज्यादातर महिलाएं यह मान बैठती हैं कि उनके अपने सपने पूरा करने, कुछ नया करने की संभावनाओं का समय पीछे छूट चुका है, अब वे कोई उड़ान नहीं भर सकती हैं, अपनी कोई नई पहचान नहीं बना सकती हैं। लेकिन सच इससे बिल्कुल अलग है। जीवन किसी कैलेंडर की तारीख का नाम नहीं, निरंतर बदलती संभावनाओं की यात्रा है। आज समय भी काफी बदल चुका है। इस नए दौर में आप किसी भी उम्र में जीवन के नए पड़ाव पर आकर कुछ नया कर सकती हैं। हर उम्र में नई पहचान बना सकती हैं। किसी क्षेत्र में नए सिरे से अपना करियर शुरू कर सकती हैं, अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचान सकती हैं, कुछ बड़ा कर सकती हैं। इतना ही नहीं, लोगों के लिए एक मिसाल बन सकती हैं।

उम्र केवल बताती है शारीरिक अवस्था

महिलाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि उम्र केवल शारीरिक अवस्था बताती है, संभावनाओं की सीमा नहीं। अनेक महिलाएं बच्चों के बड़े हो जाने के बाद अपने पुराने शौक फिर से शुरू करती हैं। कोई संगीत-नृत्य सीखती है, कोई अभिनय, कोई चित्रकला, लेखन तो कोई अपना व्यवसाय शुरू करती हैं। कई महिलाएं सामाजिक कार्यों में सक्रिय होकर अपनी पहचान बनाती हैं।

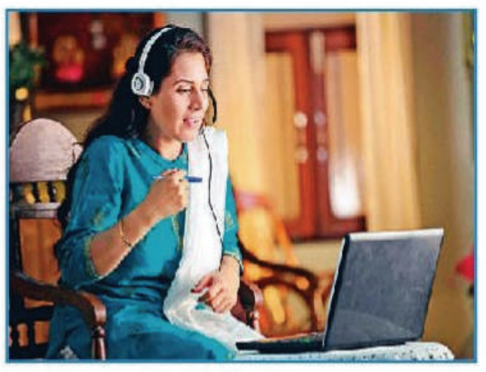

स्वयं को फिर से पहचानने का समय

महिलाओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसने जीवन का अधिकांश समय दूसरों के लिए समर्पित कर दिया होता है। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने अपने सपनों को पीछे छोड़ दिया होता है। लेकिन जीवन का कोई भी चरण हो, स्वयं को पुनः खोजने का अवसर बन सकता है। यह समय स्वयं से कुछ प्रश्न पूछने का होता है कि 'मुझे वास्तव में क्या करना अच्छा लगता है? कौन-सा सपना मैंने अधूरा छोड़ दिया था? मैं अपने लिए क्या नया सीखना चाहती हूं? मैं अपने जीवन को और अर्थपूर्ण कैसे बना सकती हूं?' इन प्रश्नों के उत्तर कई बार जीवन की नई दिशा तय कर देते हैं। आज ऑनलाइन एजुकेशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सामाजिक अवसरों ने सीखने और आगे बढ़ने की अनंत संभावनाएं खोल दी हैं।

आत्मविश्वास की नई उड़ान

देखा जाता है कि कुछ नया करने की चाहत में महिलाओं को अकसर यह डर सताता है कि समाज क्या कहेगा? लेकिन जीवन के नए खूबसूरत पड़ाव उन्हीं को मिलते हैं, जो दूसरों की धारणाओं से अधिक अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। पचास-पचपन साल की आयु में कोई नया काम शुरू करना असामान्य नहीं है। दुनिया में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जहां लोगों ने जीवन के उत्तरार्ध में बहुत बड़ी सफलताएं प्राप्त की हैं। महत्वपूर्ण यह नहीं कि शुरुआत कब हुई, शुरुआत हुई यह बात मायने रखती है। जब महिलाएं स्वयं पर विश्वास करती हैं, तब उम्र उनकी राह का अवरोध नहीं बनती, बल्कि अनुभव उनकी सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है, जिसके सहारे वे अपनी तरक्की की सीढ़ियां चढ़ती हैं। एक बड़ी पहचान पाती हैं।

नई शुरुआत का साहस

जीवन का सबसे सुंदर सत्य यह है कि हर सुबह एक नया अवसर लेकर आती है। चाहे कोई सपना पूरा करना हो, नया कौशल सीखना हो या स्वयं को फिर से पहचानना हो, हर उम्र

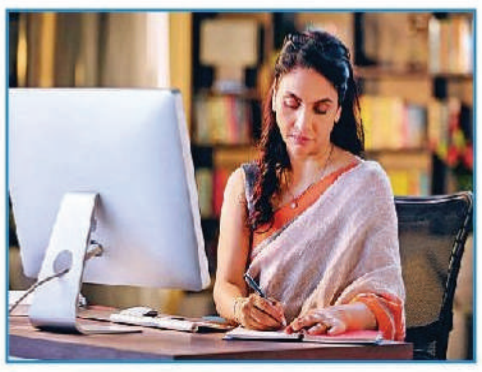

इसके लिए उपयुक्त होती है। महिलाओं को यह याद रखना चाहिए कि उनकी पहचान केवल उनकी जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है। वे सपने देखने, स्वयं निर्णय लेने और नया जीवन शुरू करने का पूरा अधिकार रखती हैं। हम इस बात को समझें, उम्र केवल वर्षों की गिनती है, जबकि जीवन संभावनाओं का नाम है। इसलिए यदि मन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सकारात्मक भाव हैं तो कोई भी उम्र जीवन का नया पड़ाव बन सकती है। किसी भी उम्र में कोई नई शुरुआत की जा सकती है, अपने सपने पूरे किए जा सकते हैं और एक शानदार पहचान पाई जा सकती है।

सकारात्मक सोच का जादू

नई शुरुआत की सबसे बड़ी शर्त है- सकारात्मक सोच। जीवन में हर व्यक्ति को असफलताओं, निराशाओं और संबंधों की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जो लोग आशा बनाए रखते हैं, वे हर कठिनाई में अवसर खोज लेते हैं। सकारात्मक सोच का अर्थ समस्याओं को नकारना नहीं, बल्कि यह विश्वास रखना है कि उनका समाधान संभव है। यही सोच व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। स्वयं के प्रति सम्मान और भविष्य के प्रति आशा जगाती है, जीवन को नई दिशा प्रदान करती है। जब हम अतीत के बोझ को छोड़कर वर्तमान को स्वीकार करते हैं, तब नए रास्ते अपने आप खुलते जाते हैं।

अपने रिश्तों को ऐसे बनाए रखें स्ट्रॉन्ग

मैरीड रिलेशन का स्ट्रॉन्ग होना बहुत जरूरी है। मजबूत रिश्तों की नींव प्रेम, अपनापन, भरोसा, खुला संवाद, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान पर टिकी होती है। इन बातों को अपनाकर आप अपने पार्टनर के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी सकती हैं।

मैरीड लाइफ

शिखर चंद जैन

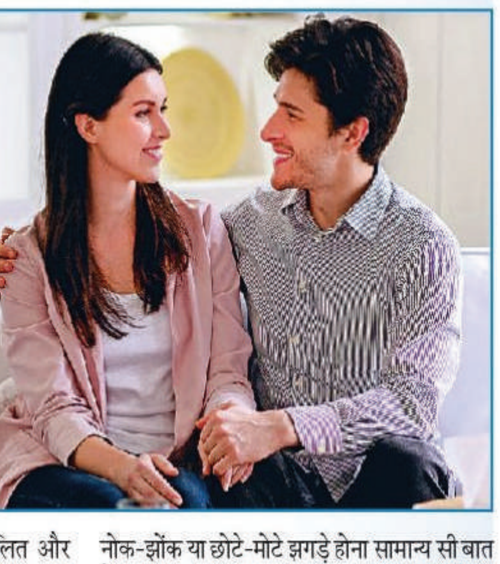

हमारे जीवन में मजबूत रिश्तों का बहुत महत्व है, ये हमारा जीवन खुशहाल बनाते हैं। बात जब पति-पत्नी के रिश्ते की हो तो यह बात और ज्यादा मायने रखती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रसिद्ध हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट बताती है कि खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा आधार सिर्फ रोमांटिक रिश्ते नहीं, मजबूत सामाजिक संबंध भी होते हैं। रिश्तों का दायरा जब दोस्ती, परिवार, सहकर्मियों और समाज तक फैलता है, तब जीवन अधिक संतुलित और संतोषजनक हो जाता है। मैरीड लाइफ में अपने पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत और मधुर रखने के लिए कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

'ट्रस्ट बैंक' बनाएं: रिश्ते बैंक अकाउंट की तरह होते हैं। इसमें ट्रस्ट का होना बहुत जरूरी है। जब आप किसी से किया वादा निभाती हैं, तो आप प्यार-स्नेह और साख अपने रिश्ते के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट करती हैं। जब आप वादा तोड़ती हैं, तो आपका खाता डेबिट होता है। हमेशा एक मजबूत रिश्ते के लिए अकाउंट में भरोसा और प्यार का बैलेंस ज्यादा होना चाहिए।

विनम्र और संवेदनशील बनें: किसी भी रिश्ते में मजबूती की पहली शर्त विनम्रता और संवेदन शीलता होती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बताती है कि परोपकार और दूसरों की मदद करने से दिमाग में 'लव हार्मोन' यानी ऑक्सीटोसिन का लेवल बढ़ता है। जब हम बिना किसी स्वार्थ के कुछ देते हैं तो खुद के भीतर भी अपनापन और संतोष बढ़ता है। संतोष की यही भावना हमारे पारस्परिक रिश्तों को भी मजबूत बनाती है।

खुली बातचीत जरूरी: रिश्तों में मौन और मन ही मन शिकायत से अकसर गलतफहमी पैदा होती है। अपनी जरूरतों, डर और इच्छाओं को खुलकर कहें। यह मान लेना कि 'उसे तो पता ही होगा' अकसर रिश्तों में दूरी का कारण बनता है। अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से कहें और पार्टनर को समझने का मौका दें।

बनाए रखें रिश्ते की मर्यादा: किसी भी रिश्ते में नोक-झोंक या छोटे-मोटे झगड़े होना सामान्य सी बात है। चाहे झगड़ा कितना भी बड़ा क्यों न हो, रिश्ते की मर्यादा बनाए रखें। कभी भी 'ब्रेकअप' या अलग होने की धमकी न दें। अपशब्दों का प्रयोग या पार्टनर को नीचा दिखाना आपके रिश्ते में हमेशा के लिए कड़वाहट घोल सकता है।

बिना शर्त स्वीकार्यता: यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो की रिसर्च बताती है कि जो लोग रिश्तों को परफेक्ट मानने की उम्मीद करते हैं, वे जल्दी निराश होते हैं। दूसरों को वैसा स्वीकार करें, जैसे वे हैं। उन्हें बदलने की कोशिश न करें।

एक-दूसरे को दें क्वालिटी टाइम: सिर्फ एक-दूसरे के साथ होना काफी नहीं है, एक-दूसरे से बातें भी करें। बिना फोन या टीवी के एक-दूसरे के साथ समय बिताएं। यह जुड़ाव को गहरा करता है, पुराने मीठे पलों को याद करने का मौका देता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिसर्च बताती है कि रिश्तों की गुणवत्ता इस बात से तय नहीं होती कि हम साथ में कितना समय बिताते हैं, यह इस बात से तय होती है कि हम बिना किसी डिस्ट्रक्शन के एक-दूसरे के साथ कितनी और कैसी बातचीत करते हैं।

आभार और प्रशंसा: अकसर हम छोटी-छोटी चीजों या बातों को टेकेन फॉर ग्रांटेड ले लेते हैं। छोटी बातों पर तारीफ करना, रिश्ते में जादू की तरह असर करती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट जॉन गेटमैन कहते हैं, 'रिश्तों में संवाद का मतलब सिर्फ शिकायत या अपेक्षाएं करना नहीं होता बल्कि एक-दूसरे की सराहना करना भी शामिल होता है।'

यह सही है कि वर्कप्लेस पर बढ़िया परफॉर्म करने और उन्नति के लिए मेहनत, लगन से कार्य करना सबसे जरूरी है। लेकिन ऑफिस में आपका मन न लगे तो कुछ वास्तु उपायों को आजमा सकते हैं। इससे आपका मन तो लगेगा ही आप निरंतर उन्नति भी करेंगे।

अगर ऑफिस में नहीं लगता मन वास्तु के अनुसार करें ये बदलाव

वास्तु सलाह

अनीता जैन, वास्तुविद

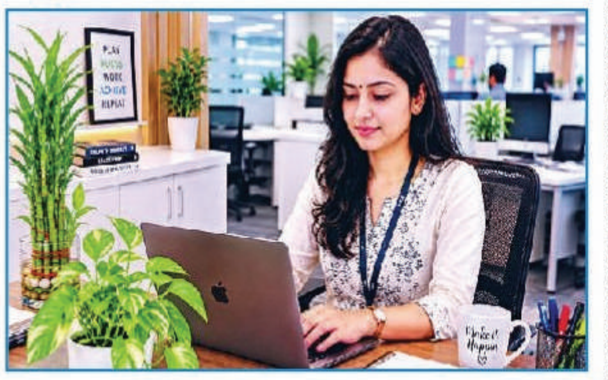

ऑफिस में हमारी डेस्क केवल काम करने की जगह नहीं होती, बल्कि यह हमारी ऊर्जा, मनोदशा और कार्यक्षमता को भी प्रभावित करती है। कई बार व्यक्ति उत्साह के साथ ऑफिस तो पहुंच जाता है, लेकिन डेस्क पर बैठते ही थकान, चिड़चिड़ापन या काम में मन न लगने जैसी समस्याएं महसूस होने लगती हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार कार्यस्थल पर मौजूद सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का सीधा प्रभाव हमारे मन और करियर पर पड़ता है। इसलिए यदि आपकी ऑफिस डेस्क व्यवस्थित, सुंदर और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होगी, तो कार्य में मन भी लगेगा और तरक्की के रास्ते भी खुलेंगे।

डेस्क पर बढ़ाएं हरियाली: वास्तुशास्त्र में हरे-भरे पौधों को समृद्धि और शांति का प्रतीक माना गया है। ऑफिस डेस्क के उत्तर या पूर्व दिशा में मनी प्लांट, बैंबू प्लांट या छोटे इनडोर प्लांट्स रखना शुभ माना जाता है। हरा रंग मानसिक सुकून देने के साथ तनाव को कम करने में भी सहायक होता है। वहीं सूखे, कांटेदार या बोनसाई पौधों को डेस्क पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें निराशा और रुकावट का सूचक माना गया है। डेस्क के उत्तर दिशा में हरियाली, जंगल या लहलहाती फसलों का चित्र लगाने से मन प्रसन्न रहता है और मेहनत का पूरा फल मिलता है।

सकारात्मक चित्र देते हैं प्रेरणा: ऑफिस डेस्क पर लगाए गए चित्र भी आपके मन और ऊर्जा पर प्रभाव डालते हैं। रोता हुआ बच्चा, डूबता जहाज, आग, टूटी मूर्ति या कांटेदार पौधों के चित्र नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके स्थान पर उगते सूर्य, उड़ते पक्षी, भागते घोड़े, स्वस्तिक या पेड़-पौधों के चित्र लगाना शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार डेस्क के उत्तर-पूर्व दिशा में अपने इष्टदेव की छोटी तस्वीर अवश्य रखनी चाहिए। कार्य शुरू करने से पहले उन्हें प्रणाम करने से मानसिक स्पष्टता प्राप्त होती है और व्यक्ति को सकारात्मक मार्गदर्शन मिलता रहता है। इससे आत्मविश्वास और कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है।

फूल-प्रकाश बढ़ाते हैं उत्साह: ऑफिस डेस्क पर ताजे फूलों का छोटा गुलदस्ता रखने से वातावरण खुशनुमा बना रहता है। वास्तु के अनुसार फूल सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं और मानसिक तनाव कम करने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि मुरझाए या सूखे फूल तुरंत हटा देने चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके साथ ही डेस्क के आस-पास सही प्रकाश व्यवस्था होना भी बेहद जरूरी है। बहुत तेज या बहुत कम रोशनी आंखों और मन दोनों को प्रभावित करती है। पर्याप्त प्रकाश न होने पर वहां नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है, जिससे कार्यों में बाधा, बहस और मानसिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसलिए हमेशा ऐसी लाइटिंग रखें, जो आंखों को सुकून दे और काम करने में सहजता महसूस हो।

साफ-सुथरी और व्यवस्थित हो डेस्क: वास्तुशास्त्र के अनुसार गंदी-अव्यवस्थित डेस्क नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। डेस्क को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। पेन-पेंसिल और अन्य जरूरी सामान के लिए सुंदर पेन स्टैंड का उपयोग करें।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

नेचुरल कूलिंग क्रीम से पाएं ताजगी का एहसास

उमस भरे इस मौसम में इंटरनल हेल्थ के साथ-साथ त्वचा की देखभाल भी जरूरी है। गर्मी, पसीना और धूल मिट्टी से त्वचा चिपचिपी और बेजान हो जाती है। कुछ लोगों को तो जलन भी महसूस होने लगती है। इससे राहत पाने के लिए कई महिलाएं ब्यूटी सैलूनों में ट्रीटमेंट करवाने जाती हैं या ब्रांडेड कंपनियों के ब्यूटी प्रोडक्ट्स अप्लाई करती हैं। ये काफी महंगे तो होते ही हैं, कई बार इनसे कोई खास फायदा भी नहीं मिलता है। ऐसे में आप चाहें तो घर में मौजूद नेचुरल चीजों से ही ईजिली नेचुरल कूलिंग क्रीम तैयार कर सकती हैं। ये क्रीम्स फेस स्किन को कूल करेंगी और आपको ताजगी का अहसास भी दिलाएंगी।

एलोवेरा-गुलाब जल क्रीम: इस कूलिंग क्रीम को तैयार करने के लिए कांच की कटोरी में एक चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे के रस को एक चम्मच की मदद से तब तक अच्छे से मिक्स करें, जब तक कि यह एक हल्की और मुलायम क्रीम जैसा न दिखने लगे। जैसे ही इसका टेक्सचर क्रीमी हो जाए, समझ लीजिए आपकी होममेड कूलिंग क्रीम तैयार है। इस क्रीम को फ्रिज में रख लें। इस क्रीम को आप सीधे चेहरे और त्वचा के खुले हिस्से पर लगा सकती हैं और लगाने के कुछ देर बाद ताजे ठंडे पानी से धो डालिए। चिपचिपी गर्मी के मौसम में राहत दिलाने में यह बहुत कारगर क्रीम है। रात या दिन में लगाने से पहले चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि चेहरे पर जमा धूल, मिट्टी और प्रदूषण को हटाया जा सके, अन्यथा यह क्रीम ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। चेहरे को साफ करने के बाद इस क्रीम को हल्के हाथों से आहिस्ता-आहिस्ता लगाएं और इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद आप चेहरा धो सकती हैं। इस क्रीम को आप दिन में दो बार यानी सुबह और रात में इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके नियमित उपयोग से चेहरे को ठंडक मिलेगी और ताजगी का भी अहसास होगा। इस क्रीम को बनाने के दो-तीन दिन के अंदर ही उपयोग कर लें, क्योंकि इसमें किसी प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल नहीं होता है।

एलोवेरा-कैस्टर ऑयल क्रीम: कांच की कटोरी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच कैस्टर ऑयल और 2 विटामिन-ई के कैप्सूल मिला लें। रात को सोते समय इस क्रीम को चेहरे पर इस तरह लगाएं कि क्रीम चेहरे पर पूरी तरह से एब्जॉर्ब हो जाए। रोज लगाने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आना शुरू हो जाएगा।

डाइट एडवाइस

डॉ. अंशु चौहान

डाइटीशियन

उमस भरे मौसम में ऐसी हो डाइट

इस मौसम में डाइट प्लान बनाते समय महिलाओं को अपनी उम्र का ध्यान रखना जरूरी है। किस एज की महिलाओं का कैसा होना चाहिए डाइट प्लान, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

हालांकि कई इलाकों में बारिश शुरू हो चुकी है लेकिन अभी उमस भरी गर्मी बरकरार है। दिन के समय धूप निकलते ही गर्मी बेचैन करने लगती है। ऐसे में आपको थकान, चिड़चिड़ापन, कमजोरी या डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए अपनी डाइट सही ढंग से प्लान करना जरूरी है।

टीनएजर्स डाइट: इस उम्र में लड़कियों का शरीर तेजी से बढ़ता है। पीरियड्स भी शुरू हो जाते हैं और हार्मोनल उतार-चढ़ाव सबसे अधिक होते हैं। इसलिए इनकी डाइट में आयरन, कैल्शियम और मैक्रो न्यूट्रिएंट्स सबसे जरूरी होते हैं।

क्या खाएं: सुबह सबसे पहले खाली पेट एक ग्लास सादा पानी पिएं। नाश्ते में मूंग दाल का चीला या दलिया लें। दोपहर के भोजन में रोटी, दाल, हरी सब्जी और एक कटोरी दही लें। जिससे सारे पोषक तत्व शरीर को पर्याप्त मात्रा में मिल सकेंगे। दही में मौजूद प्रोबायोटिकस हार्मोंस को नेचुरली बैलेंस करते हैं। भीगे हुए पांच से छह बादाम रोज खाएं। छाछ में जीरा और काला नमक मिलाकर दोपहर में लें, क्योंकि यह पेट को ठंडा रखने में मदद करता है। सत्तू के शर्बत में नीबू, काला नमक और जीरा पावडर मिलाकर लें। यह सबसे सस्ता प्रोटीन और एनर्जी ड्रिंक है। नारियल पानी का सेवन इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस करने के साथ-साथ थकान और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

क्या न खाएं: पैकेज्ड फूड्स, ड्रिंक्स, पिज्जा, बर्गर और मैदा की बनी कोई चीज खाने से बचें। चाय-कॉफी भी कम पिएं।

युवा महिलाएं: इस उम्र की महिलाओं को एनर्जी, फर्टिलिटी और हार्मोनल बैलेंस, तीनों का एक साथ ध्यान रखना जरूरी है। आपकी थोड़ी-सी लापरवाही से पीसीओडी, थायरॉइड और क्रॉनिक फटीग जैसी समस्या से आप घिर सकती हैं।

क्या खाएं: आपकी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन, कार्ब्स, गुड फैट्स, फाइबर और मिनरल्स होने चाहिए। साथ ही एक छोटी चम्मच अलसी का पावडर आहार में शामिल करें, जो ओमेगा 3 फैटी एसिड्स जैसे तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा रात को भिगोकर रखे गए मेथी बीज को सुबह खाएं। यह थायरॉइड और ब्लड शुगर दोनों को मेंटेन रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ सीजनल फ्रूट्स जैसे पपीता, अनार, खीरा नियमित अपने दिनचर्या में शामिल करना फायदेमंद होता है।

क्या न खाएं: रिफाइंड शुगर, मैदा, बाहर का तला-भुना खाना और पैकेज्ड फ्रूट जूस न लें। रात को भारी खाना न खाएं, क्योंकि यह मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकता है।

40 प्लस महिलाएं: इस उम्र में अकसर मेटाबॉलिज्म धीमा होने लगता है। इसलिए इस उम्र में सही डाइट का चयन सबसे अधिक जरूरी हो जाता है। रात भर भिगोए मेथी के दाने का पानी सुबह खाली पेट पीना ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और हार्मोन बैलेंस में सहायक है। नाश्ते में सत्तू का परांठा या दलिया खाएं। तिल इस उम्र की महिलाओं के लिए सबसे जरूरी फूड है। दोपहर में नारियल का पानी, बेल का शर्बत पिएं, जो लिवर को ठंडा रखने में कारगर साबित होता है। शाम को छाछ में जीरा और सेंधा नमक मिलाकर पिएं। लौकी, तोरई, टिंडा और पुदीने की चटनी रोज खाने से इस उमस भरे मौसम में शरीर में ठंडक बनी रहती है।

क्या न खाएं: अधिक नमक वाला और तला-भुना खाना न खाएं क्योंकि ये ब्लड प्रेशर को बढ़ाते हैं। चाय और कॉफी की मात्रा बहुत कम लें। डाइट प्लान के लिए डाइटीशियन से संपर्क कर सकती हैं।

प्रस्तुतिः संध्या रानी